मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 300
शनिवार, 24 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

विकसित भारत के लिए पूर्वी भारत का विकसित होना बहुत जरूरीः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 23 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली में राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 को संबोधित किया, जहां उन्होंने कहा कि भारत का पूर्वोत्तर देश का सबसे विविधतापूर्ण हिस्सा है और पिछले 11 वर्षों में इस क्षेत्र में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने समिट में कहा कि भारत दुनिया में सबसे विविधतापूर्ण राष्ट्र के रूप में जाना जाता है और हमारा पूर्वोत्तर इस विविधतापूर्ण राष्ट्र का सबसे विविधतापूर्ण हिस्सा है। व्यापार से लेकर परंपरा, वस्त्र से लेकर पर्यटन तक, पूर्वोत्तर की विविधता इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

मोदी ने कहा कि आज जब मैं राइजिंग नॉर्थ ईस्ट के इस भव्य मंच पर हूं तो मन में गर्व है, आत्मीयता है और अपनापन है और सबसे बड़ी बात है, भविष्य को लेकर अपार विश्वास है। अभी कुछ ही महीने पहले यहां भारत मंडपम में हमने अष्टलक्ष्मी महोत्सव मनाया था। आज हम यहां नॉर्थ ईस्ट में निवेश का उत्सव मना रहे हैं। यहां इतनी बड़ी संख्या में इंडस्ट्री लीडर्स आए हैं। यह दिखाता है कि नॉर्थ ईस्ट को लेकर सभी में उत्साह है, उमंग है और नए-नए सपने हैं। मैं सभी मंत्रालयों और सभी राज्यों की सरकारों को इस काम के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

आपके प्रयासों से वहां निवेश के लिए शानदार माहौल बना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को दुनिया का सबसे विविध देश कहा जाता है और हमारा नॉर्थ ईस्ट इस विविध राष्ट्र का सबसे विविध हिस्सा है नॉर्थ ईस्ट की विविधता इसकी बहुत बड़ी ताकत है... इसलिए नॉर्थ ईस्ट हमारे लिए अष्टलक्ष्मी है। अष्टलक्ष्मी के इस आशीर्वाद से नॉर्थ ईस्ट का हर राज्य कह रहा है , हम निवेश के लिए तैयार हैं, हम नेतृत्व के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए पूर्वी भारत का विकसित होना बहुत जरूरी है। नॉर्थ ईस्ट पूर्वी भारत का सबसे अहम अंग है। हमारे लिए 'एअरळ' का मतलब सिर्फ एक दिशा नहीं है। हमारे लिए एअरळ का मतलब है, 'एम्पावर, एक्ट, स्ट्रैंथ और ट्रांस्फॉर्म'। पूर्वी भारत के लिए यही हमारी सरकार की नीति है। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए सबसे जरूरी है, शांति और कानून-व्यवस्था।

गढ़चिरौली में हुआ बड़ा एनकाउंटर, सुरक्षाबलों ने चार नक्सलियों को किया ढेर

गढ़चिरौली, 23 मई। बड़े संयुक्त माओवादी विरोधी अभियान में गढ़चिरौली जिले में महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए, एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। यह मुठभेड़ महाराष्ट्र पुलिस की कुलीन सी-60 कमांडो इकाई द्वारा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के समन्वय में एक सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध ऑपरेशन के दौरान हुई। कवांडे क्षेत्र में हाल ही में स्थापित फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) के पास नक्सली गतिविधि के बारे में विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर गुरुवार दोपहर को ऑपरेशन शुरू हुआ।

सीआरपीएफ कर्मियों के साथ लगभग 300 कमांडो वाली एक दर्जन सी-60 इकाइयों ने कवांडे और नेलगुंडा क्षेत्रों से आक्रमण शुरू किया। भारी वर्षा सहित चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद बल इंद्रावती नदी के तट की ओर बढ़े। शुक्रवार की सुबह उस समय गोलीबारी शुरू हो गई जब सुरक्षाकर्मी तलाशी ले रहे थे और नदी के किनारों पर घेराबंदी कर रहे थे। कथित तौर पर नक्सलियों ने बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसके बाद सी-60 कमांडो ने त्वरित और प्रभावी जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के बाद, सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से चार नक्सलियों के शव बरामद किए। एक स्वचालित सेल्फ-लोडिंग राइफल, दो .303 राइफल, एक भारमार बंदूक, वॉकी-टॉकी, कैंपिंग गियर, माओवादी प्रचार सामग्री और अन्य सामान सहित हथियारों और उपकरणों की एक श्रृंखला भी जब्त की गई।

नायब सिंह सैनी ने आप पर जल संकट को लेकर राजनीति करने का लगाया आरोप

हरियाणा, 23 मई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्यों के बीच चल रहे जल विवाद को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) पर तीखा हमला बोला और पंजाब सरकार पर गर्मी के मौसम में एक महत्वपूर्ण मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। इसके अलावा, राजनीतिक बदलावों को देखते हुए सैनी ने पंजाब में भाजपा की संभावनाओं पर भरोसा जताया। इसके अलावा राजनीतिक बदलावों को देखते हुए सैनी ने पंजाब में भाजपा की संभावनाओं पर भरोसा जताया। सैनी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा और दिल्ली सरकारें जमीनी स्तर पर कामों को लागू करेंगी। गर्मियों में पानी की खपत अधिक होती है।

सैनी ने कहा कि इससे पहले दिल्ली में केजरीवाल की सरकार थी और पंजाब में भी उनकी पार्टी की सरकार है। उन्होंने पीने के पानी पर राजनीति की है। आज भी इस पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। उन्होंने केजरीवाल पर जनकल्याण की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि न तो केजरीवाल ने कभी लोगों के कल्याण के बारे में सोचा और न ही उनकी पंजाब सरकार गुरुओं के बताए रास्ते पर चल रही है। उन्होंने कहा, पंजाब में आप सत्ता से बाहर हो जाएगी, वहां भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) खिलेगा। पंजाब के लोग भी कह रहे हैं कि पीने का पानी बंद नहीं होना चाहिए।

सैनी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की और कहा कि वे राष्ट्रीय राजधानी के विकास और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करेंगे।

आंदोलनकारियों ने तीनों विकल्पों को ठुकराया, सीएम योगी से हस्तक्षेप की मांग

- कहा, बिजली का निजीकरण किसी भी हाल में स्वीकार नहीं
- विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कर्मचारी भी शामिल रहीं, नारेबाजी में दिखा एकजुटता का संदेश

सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में बिजली विभाग के निजीकरण को लेकर विरोध की आग तेज होती जा रही है। शुक्रवार को तीसरे दिन भी भी बनारस में बिजली कर्मचारियों का निजीकरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी रहा। इस दौरान आंदोलनकारियों ने ऊर्जा विभाग द्वारा प्रस्तावित तीनों विकल्पों को एक स्वर में नकारते हुए स्पष्ट किया कि वे किसी भी कीमत पर निजीकरण को स्वीकार नहीं करेंगे। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर निजीकरण की प्रक्रिया पर रोक लगाने की अपील की है।

संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों की मौजूदगी में भिखारीपुर स्थित प्रबंध निदेशक कार्यालय के समक्ष आयोजित विरोध सभा में सैकड़ों की संख्या में बिजली कर्मियों ने भाग लिया। सभा में संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों की मौजूदगी ने कर्मियों में नया जोश भर दिया। कर्मचारियों ने कहा, अभी तक उनका ध्यानाकर्षण आंदोलन शांतिपूर्ण ढंग से जारी है, लेकिन जल्द ही मांगे पूरी नहीं हुई तो आंदोलन को उग्र रुप देने में भी संकोच नहीं किया जायेगा। सभा के दौरान जब केंद्रीय नेताओं ने कर्मचारियों से निजीकरण से संबंधित तीनों प्रस्तावों पर राय मांगी, तो सभी कर्मियों ने एक साथ खड़े होकर ह्नाह्व में जवाब दिया। उनका कहना है कि ये विकल्प कर्मचारी हितों के खिलाफ हैं और निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने वाले हैं। प्रदर्शन से उपभोक्ताओं को कोई असुविधा न हो, इसका पूरा ध्यान रखा गया। संघर्ष समिति ने चेताया है कि यदि उत्पीड़नात्मक कदम जारी रहे तो उत्पन्न हालात की पूरी जिम्मेदारी ऊर्जा प्रबंधन की होगी।

महत्त्वपूर्ण बिंदुः कर्मचारियों ने प्रबंधन के तीनों निजीकरण विकल्पों को किया खारिज।

शांतिपूर्ण आंदोलन को हड़ताल बताकर कर्मियों को धमकाने का आरोप। संविदा कर्मियों की छंटनी और दमनात्मक पत्रों पर जताई नाराजगी। मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की दरख्वास अभियंता संघ के प्रदेश महासचिव ई. जितेन्द्र सिंह गुर्जर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों में प्रबंधन की हठधर्मिता के चलते निजीकरण का जबरन प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से निवेदन है कि वे इस पर तत्काल प्रभावी हस्तक्षेप करें। कर्मचारियों ने साफ किया है कि उनका यह आंदोलन हड़ताल नहीं बल्कि शांतिपूर्ण ध्यानाकर्षण आंदोलन है, जिससे जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

दुनिया के सामने बेनकाब हो गया पाकिस्तानः अमित शाह

नई दिल्ली, 23 मई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सीमा पार आतंकवाद में पाकिस्तान की संलिप्तता दुनिया के सामने उजागर हो गई है और कहा कि भारत ने इस महीने की शुरूआत में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकी संगठनों को मुंहतोड़ जवाब दिया। रुस्तमजी मेमोरियल लेक्चर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अलंकरण समारोह में बोलते हुए शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारे प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, हमारी खुफिया एजेंसियों से सटीक जानकारी और सेना की मारक क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन था। तीनों के एक साथ आने से ऑपरेशन सिंदूर का निर्माण हुआ।

शाह ने कहा कि हमारा देश कई दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सामना कर रहा है। पाकिस्तान ने कई वर्षों से कई बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया है, लेकिन उसे उचित जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार बनी और पहला बड़ा हमला उरी में हमारे सैनिकों पर हुआ, उन्हें जिंदा जलाने का दुस्साहस किया और हमने उरी के तुरंत बाद सर्जिकल स्ट्राइक कर-के पहली बार आतंकी ठिकानों में घुसकर आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने का काम किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पाकिस्तान दुनिया के सामने बेनकाब हो गया है। शाह ने कहा कि बीएसएफ ने गोली का जवाब गोले से दिया।

अमित शाह ने कहा कि पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों को उनके परिवारों के सामने उनका धर्म पूछकर मार दिया गया...ऑपरेशन सिंदूर उस हमले का जवाब है और आज दुनिया भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी की प्रशंसा कर रही है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद 8 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था और ऑपरेशन के कुछ ही मिनटों के भीतर हमने नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया, जिनमें से दो मुख्यालय थे। हमने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों, एयरबेसों को नष्ट नहीं किया। हमने केवल उन लोगों को दंडित किया जिन्होंने भारतीय धरती पर पाप किए थे।

केंद्र बेंगलुरू मेट्रो के अगले चरण के प्रस्तावों पर विचार करेगा : मनोहर लाल खट्टर

नई दिल्ली, 23 मई। खट्टर ने बेंगलुरू में विभिन्न शहरी पहल की प्रगति की समीक्षा की और राज्य सरकार से विरासत में मिले अपशिष्ट प्रबंधन को प्राथमिकता देने तथा शहरी सुधारों के लिए पूंजी निवेश की खातिर राज्यों को विशेष सहायता योजना (एसएसएए ससीआई) 2025-26 का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने विभिन्न मिशन की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य मंत्रिमंडल से प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद बेंगलुरू मेट्रो (चरण-दो) परियोजना की संशोधित लागत पर विचार किया जाएगा। एक

आधिकारिक बयान के अनुसार, वर्तमान में बेंगलुरू में लगभग 75 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क चालू है और लगभग 145 किलोमीटर नेटवर्क निमार्णाधीन है। हाल ही में केंद्र सरकार ने 15,600 करोड़ रुपये की लागत से 45 किलोमीटर लंबे मेट्रो चरण-तीन नेटवर्क को मंजूरी दी थी।

आप विधायक रमन अरोड़ा गिरफ्तार, पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने की कार्रवाई

पंजाब। पंजाब सतर्कता ब्यूरो (वीबी) ने शुक्रवार को जालंधर सेंट्रल से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक रमन अरोड़ा (54) को नगर निगम के पूर्व सहायक नगर योजनाकार (एटीपी) सुखदेव वशिष्ठ से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार किया, जिन्हें पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था। आप प्रवक्ता नील गर्ग ने पुष्टि की कि सतर्कता विभाग ने अरोड़ा के आवास पर छापा मारा था। यह पता नहीं चल पाया है कि छापेमारी के बाद रमन अरोड़ा के आवास से क्या मिला, जिसके कारण भ्रष्टाचार के मामले में उनकी गिरफ्तारी हुई।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
Arunodaya Surgical & Trauma Center

डा. अरुण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति गंभीर चुनौती

-ललित गर्ग

-भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्वेलित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली डरावनी एवं खैफनाक घटना है, जो किशोरों में पनप रहे हिंसक बर्ताव एवं हिंसक मानसिकता का घिनौना एवं घातक रूप है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है।

जैसाकि घटना से संबंधित तथ्यों में बताया गया कि हत्या में शामिल युवक धनौरी गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह दुखद है कि एक मृतक किशोर अपने पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख एवं संत्रास पैदा हुआ है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर सिनेमा तक उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

बहरहाल, इस हृदयविदारक एवं त्रासद घटना ने नयी बन रही समाज एवं परिवार व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े किये हैं। सवाल नये बन रहे समाज की नैतिकता एवं चरित्र से भी जुड़े हैं। निश्चित ही किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक एवं खौफनाक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारे अभिभावक बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रहे हैं ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? क्यों लड़कियों से छेड़छाड़ की अश्लील एवं कामुक घटनाएं बढ़ रही है? क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष उपेक्षित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला हिंसा एवं क्रूरता से गला काटना हो सकता है? धनौरी की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज एवं विशेषतः किशोर पीढ़ी में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है।

अब तक हिन्दी सिनेमा से समाज के किशोरवय और युवाओं में गलत संदेश गया कि निजी जीवन में छेड़खानी ही प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीनता ने गुमराह किया है। बॉक्स आफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता एवं हिंसक प्रवृत्ति भर दी कि किशोरों में हिंसक एवं अराजक सोच पैदा हुई। इंटरनेट के विस्तार और सोशल मीडिया के प्रसार से स्वच्छंद यौन व्यवहार का ऐसा अराजक एवं अनियंत्रित रूप सामने आया कि जिसने किशोरों व युवकों को पथभ्रष्ट एवं दिग्भ्रमित करना शुरू कर दिया। आज संकट ये है कि हर किशोर के हाथ में आया मोबाइल उसे समय से पहले वयस्क बना रहा है। जिस पर न परिवार का नियंत्रण है और न ही शिक्षकों का। ह्यमन जो चाहे वही करोह्न की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा।

आज किशोरों एवं युवाओं को प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व नये-नये ए पश्चिमी अपसंस्कृति से संचालित हैं। इन पर अश्लीलता और यौन-विकृतियां वाले कार्यक्रमों का बोलबाला है। ऐसे कार्यक्रमों की बाढ़ है जिनमें हमारे पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में स्वच्छंद यौन व्यवहार को हकीकत बनाने का खेल चल रहा है। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवेदहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं एवं यौनाचार ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं, वे आत्मघाती-हिंसक बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, विछिप्तपन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन ददर्नाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निर्माताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

अफसरों को जेल की सजा से रुक सकेंगे जहरीली शराब जैसे हादसे

भारत में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं है। सरकारों का काम सिर्फ टैक्स वसूलना रह गया है, जब जिम्मेदारी लेने के वक्त आता है तो सब एक-दूसरे को दोषी ठहरा कर पीछा छुड़ाने की कोशिश करते हैं। इससे भी ज्यादा आश्चर्य यह है कि सरकारें पिछली गलतियों से भी कोई सबक नहीं सीखती हैं। साथ ही गलतियों के लिए जिम्मेदार अफसरों पर ऐसी कोई कार्रवाई नहीं होती, जिससे दूसरे लोग इससे सबक सीख सकें। महज कागजी खानापूर्ति करने के लिए कार्रवाई करने के बाद अफसर वापस मलाईदार पोस्टिंग पाने में कामयाब हो जाते हैं। पंजाब के अमृतसर के कई गांव में जहरीली शराब पीने से करीब दो दर्जन लोगों की मौत भी ऐसी ही गैरजिम्मेदाराना प्रवृत्ति का परिणाम है। इस मामले में मुख्य आरोपी प्रभजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया। आबकारी विभाग के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतने लोगों की मौत के बाद अधिकारियों को सिर्फ निलंबित किया गया है। दरअसल कानून में ऐसा कोई प्रावधान ही नहीं है कि अफसरों की लापरवाही से होने वाली मौतों के लिए उन्हें भी अपराधियों की तरह सजा होगी। केंद्र सरकार ने आपराधिक कानून का नाम बदल दिया। इसमें कई तरह के संशोधन किए गए। किन्तु नौकरशाहों को जिम्मेदार बनाने के लिए सजा का प्रावधान नहीं किया गया। यही वजह है कि जहरीली शराब पीने से होने वाले हादसे हो या इसी तरह के दूसरे हादसों में जिम्मेदार अधिकारियों को आपराधिक मामलों की तरह जेल की सजा नहीं होती। पांच साल पहले पंजाब में तरनतारन, अमृतसर और गुरदासपुर जिलों में एक बड़ी शराब त्रासदी हुई थी।

जुलाई और अगस्त 2020 में माझा क्षेत्र के तीन जिलों तरनतारन, गुरदासपुर और अमृतसर में नकली शराब पीने से लगभग 130 लोगों की मौत हो गई थी। लगभग एक दर्जन लोगों की आंखों की रोशनी चली गई थी। अकेले तरनतारन जिले में लगभग 80 मौतें हुई थीं। 19 मार्च 2024 को पंजाब के ही संगरूर जिले में नकली शराब पीने से 21 हो गई थी, जबकि 40 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार हुए। ये पहला मौका नहीं है जब देश के किसी राज्य में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हुई हो। वर्ष 2014 में अवैध शराब के सेवन से 1,699 मौतें हुईं। वर्ष 2015 में 1,624 घटनाओं में 1,522 लोगों की जान गई। महाराष्ट्र (278), पुडुचेरी (149) और मध्य प्रदेश (246) में सबसे ज्यादा मौतें हुईं। वर्ष 2016 में 1,073 घटनाओं में 1,054 मौतें दर्ज की गईं। इस वर्ष मध्य प्रदेश (184) और हरियाणा (169) में सबसे ज्यादा लोगों ने अपनी जान गंवाई। इसी तरह वर्ष 2017 में 1,497 घटनाओं में 1,510 मौतें हुईं। इनमें कर्नाटक (256), मध्य प्रदेश (216) और आंध्र प्रदेश (183) में हालात गंभीर रहे। वर्ष 201८ में 1,346 घटनाओं में 1,365 लोगों की जान गई।

मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (218) में सबसे ज्यादा मौत के मामले सामने आए। वर्ष 2019 में 1,141 घटनाओं में 1,296 मौतें हुईं। इनमें मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (268) लोगों की मौत हुई। वर्ष 2020 में 931 घटनाओं में 947 लोगों की जान गई। मध्य प्रदेश (214) और झारखंड (139) में सबसे ज्यादा मौतें हुईं। वर्ष 2021 में 708 घटनाओं में 782 मौतें हुईं और वर्ष 2022 में 507 घटनाओं में 617 मौतें हुईं। इनमें बिहार (134) और कर्नाटक (98) में अवैध शराब का कहर जारी रहा। वर्ष 1992 ओडिशा के कटक में जहरीली शराब पीने से 200 से अधिक लोगों की मौत हुई जबकि 600 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जो दशकों में भारत में इस तरह की सबसे बड़ी घटना थी। वर्ष 1981 में कर्नाटक के बेंगलुरु में सबसे भयानक हादसा हुआ। बेंगलुरु में मिथाइल अल्कोहल विषाक्तता के कारण 308 लोगों की मौत हो गई। यह सस्ती शराब में मिलावट के कारण हुआ था। अवैध या जहरीली शराब सिर्फ बिहार या पंजाब की समस्या नहीं है। देश के लगभग सभी राज्यों में अवैध शराब का कारोबार धड़ल्ले से चलता है। हर साल लाखों लीटर अवैध शराब जब्त भी होती है। लेकिन इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लग पा रही। बिहार ही नहीं, बल्कि गुजरात, मिजोरम, नागालैंड और लक्षद्वीप में भी पूरी तरह से शराबबंदी है। इसके बावजूद यहां जहरीली शराब से मौतें होती रहती हैं।

गुजरात पहला राज्य था, जिसने शराब पर प्रतिबंध लगाया था। फिर भी राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि 6 साल में जहरीली या अवैध शराब पीने से राज्य में 54 लोगों की मौत हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि भारत में हर साल शराब की जितनी खपत होती है, उसमें से 50 फीसदी अवैध तरीके से बनती और बिकती है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में हर साल पांच अरब लीटर शराब पी जाती है। इसमें 40 फीसदी से ज्यादा अवैध तरीके से बनाई जाती है और ये सस्ती होती है। ग्रामीण इलाकों में देसी शराब ज्यादा पी जाती है। बिहार सरकार के आंकड़े बताते हैं कि शराबबंदी कानून तोड? के मामले में 6.71 लाख से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। देश के कुछ राज्यों में शराबबंदी लागू है और कुछ ऐसे भी हैं जहां पहले शराबबंदी थी लेकिन बाद में इसे हटा लिया गया। हरियाणा में 1996 में शराबबंदी लागू की गई थी, लेकिन दो साल बाद ही 1998 में इसे हटा लिया गया। आंध्र प्रदेश में 1995 में शराब पर प्रतिबंध लगा लेकिन 1997 में सरकार ने इसे वापस ले लिया। मणिपुर में भी 1991 से शराबबंदी लागू है और सरकार ने इसमें थोड़ी छूट देने का फैसला लिया। ऐसा इसलिए ताकि सरकारी खजाना भर सके। मणिपुर सरकार को शराबबंदी के कानून में थोड़ी छूट देने से 600 करोड़ रुपये का रेवेन्यू मिलने का अनुमान है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक देश के ज्यादातर राज्यों के टैक्स रेवेन्यू में 10 से 15 फीसदी हिस्सेदारी शराब से मिलने वाले टैक्स की है। उत्तर प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों के टैक्स रेवेन्यू में तो 20 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी शराब की है। अवैध और जहरीली शराब से होने वाली मौतों के आंकड़ों से जाहिर है कि देश में ऐसा एक भी साल नहीं गया, जब ऐसे हादसों में लोगों की जानें नहीं गई हों। मतलब जहरीली शराब से होने वाली मौतें देश में स्थाई लाइलाज समस्या बन गई हैं। केंद्र हो या राज्यों की सरकारें की जांच एजेंसिंया ऐसा हादसा होने के बाद सक्रिय होती हैं। सरकारें मृतक आश्रितों को चंद रूपयों का मुआवजा और कुछ आरोपियों की गिरफ्तारी कर असली जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती हैं। ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति के बावजूद राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में ऐसी समस्याएं स्थान नहीं पाती हैं। दरअसल राजनीतिक दलों की एजेंडे में ऐसी मौतों के लिए कोई स्थान नहीं है।

ऐसा इसलिए भी है कि ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति नहीं होने देने की गारंटी से वोट बैंक मजबूत नहीं होता। यही वजह है कि हर साल किसी न किसी राज्य से जहरीली शराब से होने वाली मौतों की पुनरावृत्ति जारी है। आगे भी इस सिलसिले के थमने के आसार नजर नहीं आते। राज्यों में सिर्फ विपक्षी दल शोर-शराबा करता है, किन्तु सत्ता में आने पर ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए किसी के पास कोई नीति नहीं होती। ऐसी मौतों का सिलसिला तब तक जारी रहेगा, जब तक मौतों के लिए जिम्मेदार अफसरों के लिए कानून में जेल भेजे जाने का प्रावधान नहीं होगा।

- योगेन्द्र योगी

कर्नल सोफिया कुरैशी होने का महत्व

मध्य प्रदेश की भाजपा शासित सरकार में जनजातीय मामलों के मंत्री विजय शाह ने अपने नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को असमंजस में डाल दिया है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद देश की प्रतिक्रिया को बेहतर ढंग से संभालने के लिए मोदी की प्रशंसा उनके कई आलोचकों द्वारा की गई थी, जिनमें कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता शशि थरूर भी शामिल थे। यह बात उनके आलोचकों तथा देश के विभिन्न भागों से आने वाले आम नागरिकों द्वारा सर्वत्र स्वीकार की गई कि मोदी द्वारा सशस्त्र सेना प्रवक्ताओं का चयन, जो प्रतिदिन प्रैस तथा राष्ट्र को भारत के जवाब के बारे में जानकारी देंगे, अत्यंत शानदार था।

दो महिला अधिकारियों को चुना गया, सेना का प्रतिनिधित्व करने वाली सिग्नल्स रैजीमैंट की कर्नल सोफिया कुरैशी और वायु सेना के हैलीकॉप्टर विंग से विंग कमांडर व्योमिका सिंह। इन दोनों सेवाओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए न केवल महिलाओं को चुना गया, बल्कि इनमें से एक मुस्लिम को भी चुना गया, जो कि एक मास्टरस्ट्रोक था। यह दुविधा तब पैदा हुई जब मंत्री विजय शाह ने कर्नल कुरैशी को ह्यआतंकवादियों की बहनह्न बताया! मोदी जी ने अपने दिमाग में अपने ही घर में बड़ी संख्या में जन्मजात मुस्लिम द्वेषियों की मौजूदगी के लिए कोई जगह नहीं बनाई थी, जिनमें से एक हिंदी पट्टी के एक महत्वपूर्ण राज्य में उनकी ह्यडबल इंजनह्न सरकार में मंत्री भी है। जब विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस ने विरोध में आवाज उठाई, तथा कई नागरिकों ने भी इसका समर्थन किया, जिन्होंने महत्वपूर्ण समय में मोदी के नेतृत्व के गुणों की सराहना करना शुरू ही किया था, तभी विजय शाह पार्टी को बिगाड? के लिए सामने आ गए।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की जबलपुर पीठ ने नागरिकों की आवाज पर ध्यान देते हुए स्थानीय पुलिस को मंत्री के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज करने का आदेश दिया है। वास्तव में, पार्टी को नुकसान को सीमित करने के लिए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि यह पार्टी सदमे में है और अपने विश्वस्त समर्थकों के एक बड़े वर्ग को नाराज करने में असमर्थ है, जो चाहते हैं कि सरकार मुसलमानों को ह्यलाड़-प्यारह्न देना बंद कर दे, भले ही वह मुसलमान महिला हो और एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी हो, जिसकी समाचार चैनलों पर प्रतिदिन उपस्थिति ने पूरे देश, विशेषकर महिलाओं को उत्साहित कर दिया है। भाजपा ने हमेशा कांग्रेस पर चुनावी लाभ के लिए मुसलमानों को ह्यलाड़-प्यार देने का आरोप लगाया था। एकमात्र लाड़-प्यार जिसका उसे दोषी पाया जा सकता था, वह था मुस्लिम धार्मिक प्रतिष्ठानों को उन मामलों में लाड़-प्यार देना जो राज्य से संबंधित नहीं थे। धर्म द्वारा निर्धारित कानून, जिसके तहत वृद्धा शाह बानो के पास इतना अल्प धन बचा था कि वह कुछ दिनों के बाद भूख से मर सकती थी, को न्यायालय द्वारा, बिल्कुल सही ढंग से, पलट दिया गया। लेकिन, राजीव गांधी को उस समय बहुत बुरी हार का सामना करना पड़ा जब उन्होंने शाह बानो मानवाधिकार मामले में अदालत के फैसले को नकारने के लिए संसद में अपनी पार्टी का समर्थन हासिल कर लिया।

विजय शाह ने सरकार द्वारा एक मुस्लिम महिला अधिकारी को प्रवक्ता के रूप में चुनने को एक तरह का ह्यलाड़-प्यारह्न समझ लिया होगा। संभवतः यही कारण है कि उन्होंने यह घृणित टिप्पणी की। और विजय शाह इस विचारधारा के एकमात्र प्रतिनिधि नहीं हैं। देश के कोने-कोने में हिंदुओं का एक बड़ा वर्ग है, जो मुसलमानों के प्रति गहरी अविश्वास की भावना रखता है। यह कोई ऐसी चीज नहीं है जो भाजपा ने बनाई हो। पिछले 10 या 11 वर्षों में यह अविश्वास आजादी से पहले भी मौजूद था, लेकिन 2014 तक सुप्त रहा। अब यह खुले तौर पर व्यक्त हो रहा है। लेकिन यह तब भी वास्तविकता थी जब मैं 82 से 90 साल पहले, यानी 1936 से 1944 तक, एक स्कूली छात्र था।

मुझे याद है कि एक युवा हिंदू सहपाठी, जो मुझसे एक या दो साल छोटा था, अपने मुस्लिम, ईसाई और पारसी सहपाठियों के बारे में अपनी राय व्यक्त कर रहा था। उन्होंने कहा कि उन्हें पारसी लोग पसंद हैं। उन्हें ईसाइयों से कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन उनके धर्म से नहीं। उन्हें मुसलमान बिल्कुल पसंद नहीं थे, खासकर उनके धर्म से। वह छोटा हिन्दू लड़का 10 साल का रहा होगा, मैं उससे एक या दो साल बड़ा था। मुझे उसका नाम याद नहीं है और न ही यह कि बातचीत कैसे शुरू हुई, लेकिन मुझे यह अच्छी तरह याद है कि लड़का मोटा था। कॉलेज के बाद के वर्षों में और कार्यस्थल पर मेरे कुछ अन्य हिंदू मित्रों ने भी मुसलमानों के बारे में कुछ ऐसी ही आशंकाएं व्यक्त की थीं, लेकिन वे निश्चित रूप से उस मोटे 10 वर्षीय बच्चे से अधिक सतर्क थे। मैं यह बात इसलिए कह रहा हूं क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि बहुसंख्यक समुदाय में एक ऐसा वर्ग है जो स्वाभाविक रूप से मुसलमानों पर भरोसा नहीं करता और विजय शाह उनमें से एक हैं।

मैंने 1986 से 1989 तक पंजाब में अपने कार्यकाल के दौरान इस बात पर जोर दिया था कि आतंकवादियों को कभी भी ह्यसिखह्न आतंकवादी नहीं कहा जाना चाहिए। यदि आवश्यक हो तो ह्यखालिस्तानीह्न शब्द पर मुकद्दमा चलाया जा सकता है, लेकिन सिख शब्द पर नहीं, क्योंकि सिख आतंकवादी नहीं थे। मेरे निजी सुरक्षा दल में अधिकतर सिख थे। मुझे उन पर पूरा भरोसा और विश्वास था। और जिस प्रकार सिखों के बहुमत को खालिस्तानी आतंकवादियों से कोई सहानुभूति नहीं है, उसी प्रकार मुसलमानों का बहुमत आई.एस.आई. प्रायोजित आतंकवादियों की गतिविधियों को नापसंद करता है।-

जूलियो रिबैरो(पूर्व डी.जी.पी. पंजाब व पूर्व आई.पी.एस. अधिकारी)

आपरेशन सिंदूर की सफलता और तिरंगा यात्रा

-विक्रम दयाल

भारतीय सशस्त्र सेनाओं द्वारा 6-7 मई 2025 की रात में, पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में किये गये एक सैन्य हवाई अभियान का कूट नाम सिंदूर आपरेशन है। भारत का कहना है कि उसका उद्देश्य पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाना था। पाकिस्तान ने भारत पर अनेकों झूठे और बेवुनियाद आरोप लगाये, जो कि सारे के सारे आरोप जांच के बाद झूठे और गलत साबित हुए। जांच के बाद पता चला कि आतंकवादी मस्जिद की आड़ में आतंकी साजिस रचते थे। वहीं पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इस हमले को युद्ध की कार्यवाई बताया।

और भारतीय हमलों का जबाब दिया। भारत ने आतंकवादी हमले के जबाब में पाकिस्तान में चल रहे आतंकवादी क्षेत्रों और जगहों पर आतंकवादियों को करारा जबाब दिया और उनके ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तान के नव आतंकी ठिकाने और ग्यारह एयर बेस तबाह किये। आपरेशन सिन्दूर हुआ पूरा 9 आतंकी ठिकानों पर हवाई हमला हुआ। 900 आतंकियों के मारे जाने कि खबर है। लश्कर और जैस-ए-मोहम्मद और हिजबुल के ठिकाने ध्वस्त किये गये। आतंकवादी कश्मीर के पहलगाम में हमें छुप छुप कर मारे हम उन्ही आतंकवादियों के ठिकानों में घुस घुस कर उन्हें मारे। यह हमला पहलगाम में आतंकियों द्वारा किये गये हमले 22 अप्रैल 2025 के जबाब में था। पहलगाम हमले कि जिम्मेदारी प्रतिरोध मोर्चा नामक आतंकवादी संगठन ने लिया है। जो पाकिस्तानी सेना की देखरेख में चलाया जाता है। मारे गये सभी पर्यटक हिंदू थे। जिसमें 26 भारतीय और एक नेपाली था। हमलावरों ने पीड़ितों को गोली मारने से पहले उनके कपडे उतरवाये, उनके नाम और धर्म पूछे, कलमा पढ़ने के लिए कहा, और बाद में उनका खतना देखा इसके बाद उनके परिवार के ही सामने हिंदू होने के नाते उन्हें गोली मार दी। आतंकवादियों द्वारा किये गये इस नरसंहार का बदला भारतीय सेना का सिंदूर आपरेशन एक सराहनीय कदम था। जो 7 मई 2025 को तीनों भारतीय सेनाओं ने मिलकर एकसाथ निभाया। पाकिस्तान को करारा झटका दिया और उसे भारी नुकसान पहुँचाया। आपरेशन सिंदूर में सभी स्वदेशी मूल के हथियारों से भारतीय सेना ने दुश्मन पाकिस्तान को धूल चटा दिया। इस अभियान का नेतृत्व ब्रम्होश, सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, सुखोई 30, एमकेआईजेट, आकाश और बाराक 8, मिसाइल सिस्टम दुर्जेवरूषी निर्मित एस 400 वायु रक्षा प्रणाली ने किया । जो पाकिस्तान के जबाबी हमले ड्रोन और मिसाइल हमलों को विफल किया। आपरेशन सिंदूर सफल होने पर हर भारतीयों को गर्व है। तीनों भारतीय सेनाओं का यह विजय पर्व है। पूरे भारत में सेनाओं के सम्मान में तिरंगा यात्रायें निकाली जा रही है। तीनों सेनाओं का सम्मान बढ़ाया जा रहा है। देश की सभी राजनीतिक पार्टियाँ एकजुट होकर आपसी मतभेद भुलाकर सरकार का साथ दे रही हैं। हौसला बढ़ा रही हैं। सरकार भारतीय प्रतिनिधियों को पाकिस्तान के झूठ को दुनियाँ के सामने रखने के लिए पूरी दुनियावालों के पास भेज रही है। अब दुनियां को सच्चाई समझ में आयेगी । पाकिस्तान बे-नकाब होगा। भारत ने कह दिया है कोई भी आतंकवादी हमला युद्ध माना जायेगा । आतंकवाद का जबाब युद्ध से होगा।

न्यायपालिका की विश्वसनीयता के लिए पारदर्शिता जरूरी

नई दिल्ली में उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश को आबंटित आवास के एक कमरे से आधे जले हुए नोटों से भरे बोरे बरामद हुए दो महीने से अधिक समय हो गया है। देश अभी भी इस बात से अनजान है कि यह धन कहां से आया तथा इसका मालिक कौन था। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा द्वारा करंसी नोटों के स्वामित्व से इंकार करने के बाद रहस्य और गहरा गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि उनके परिसर से जो करंसी नोट मिले हैं, वे कहां से आए। उन्होंने कहा कि जिस कमरे से नोट बरामद हुए, वहां उनके स्टाफ के सदस्य पहुंच सकते थे और आरोप लगाया कि उन्हें बदनाम करने की साजिश की जा रही है।

भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने घटना की गहन जांच करने के लिए न्यायमूर्ति शील नागू, न्यायमूर्ति जी.एस. संधवालिया और न्यायमूर्ति अनु शिवरामन की एक जांच समिति गठित की थी। रिपोर्टों के अनुसार, समिति को न्यायाधीश को हटाने के लिए पर्याप्त सामग्री मिल गई थी, जिन्हें घटना के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया था। न्यायमूर्ति खन्ना ने आंतरिक समिति की रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दी थी। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति वर्मा से प्राप्त जवाब भी संलग्न किया था। विशेषज्ञों ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश की कार्रवाई ने संसद में न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ निष्कासन कार्रवाई शुरू करने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। यह स्पष्ट है कि उन्होंने इस्तीफा देने या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने से इंकार कर दिया था। यह मुद्दा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उठाया और आश्चर्य जताया है कि दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद मामले में एफ.आई.आर. क्यों नहीं दर्ज की गई। एफ.आई.आर. की जरूरत पर जोर देते हुए धनखड़ ने कहा, ह्यह्यलोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं... पैसे का स्रोत, उसका उद्देश्य, क्या इससे न्यायिक प्रणाली प्रदूषित हुई? बड़े शार्क कौन हैं? हमें पता लगाने की जरूरत है।

इस घटना को ह्यअरबों लोगों के मन को झकझोरने वाला बताते हुए धनखड़ ने कहा कि इसकी वैज्ञानिक, फोरैंसिक, विशेषज्ञ, गहन जांच की जरूरत है, जिससे सब कुछ सामने आ जाए और कुछ भी छिपा न रह जाए। सच्चाई सामने आनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समिति के गठन का ह्यकोई संवैधानिक आधार या कानूनी औचित्य नहीं है, बल्कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह अप्रासंगिक होगा। यद्यपि 1991 में दिए गए निर्णय के परिणामस्वरूप किसी भी उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के विरुद्ध अभियोजन शुरू करने के लिए पूर्व अनुमति की आवश्यकता होती है, लेकिन यह पुलिस को एफ.आई.आर. दर्ज करने से नहीं रोकता। यदि देश का कोई भी आम नागरिक इसमें शामिल होता तो पुलिस एफ.आई.आर. दर्ज करने में संकोच नहीं करती। वास्तव में, यदि पुलिस ऐसी परिस्थितियों में एफ.आई.आर. दर्ज करने से बचती, तो अदालतों द्वारा उसे फटकार लगाई जाती। यह भी रहस्य बना हुआ है कि तीन सदस्यीय समिति द्वारा न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से कुछ गलत कार्य करने के प्रथम दृष्टया साक्ष्य पाए जाने के बाद भी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अभियोजन की अनुमति कैसे नहीं दी गई। संसद द्वारा न्यायाधीशों पर महाभियोग चलाना एक बहुत ही कष्टसाध्य एवं कठिन प्रक्रिया है। इसमें उपस्थित सांसदों में से दो-तिहाई द्वारा महाभियोग के पक्ष में मतदान किया जाना शामिल है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि आजादी के बाद से किसी भी न्यायाधीश पर महाभियोग नहीं लगाया गया। लेकिन महाभियोग से भी इन सवालों का जवाब नहीं मिलेगा कि करंसी नोटों की बोरियां कहां से आईं और ये उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के परिसर में कैसे पहुंचीं। न्यायपालिका की विश्वसनीयता दांव पर है। न्यायपालिका न्याय के लिए नागरिकों की अंतिम आशा है और इस आशा और विश्वास की रक्षा की जानी चाहिए। धूप सबसे अच्छी कीटाणुनाशक है और इसलिए न्यायपालिका को न्यायमूर्ति वर्मा मामले में पारदर्शिता दिखानी चाहिए और मामले की जांच के निष्कर्षों को सार्वजनिक करना चाहिए।

-विपिन पब्बी

पटना के खिलाड़ियों के लिए बड़ी सौगात, गर्दनीबाग में बनेगा अंतरराष्ट्रीय मानकों वाला स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

राजधानी पटना के खिलाड़ियों को जल्द ही एक शानदार तोहफा मिलने जा रहा है। गर्दनीबाग में राष्ट्रीय स्तर का अत्याधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तैयार किया जा रहा है। 28.66 करोड़ की लागत से बन रहे इस परियोजना को बिहार सरकार की कैबिनेट से प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है।

भवन निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तावित यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स करीब 10 एकड़ भूमि में बनाया जाएगा, जिसका कुल क्षेत्रफल 1200 वर्गमीटर होगा। यह कॉम्प्लेक्स 40,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता वाला होगा।

खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों के लिए बनाये जा रहे इस कॉम्प्लेक्स में 10 क्रिकेट पिच विकसित किए जाएंगे, जिनमें से 5 पिच विशेष रूप से अभ्यास के लिए आरक्षित होंगे। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए इसमें दो ऐस्ट्रो टर्फ भी लगाए जाएंगे, जो हॉकी जैसे खेलों के लिए उपयुक्त होंगे। खेल आयोजनों और व्यवस्थाओं के संचालन के लिए एक प्रशासनिक ब्लॉक भी तैयार किया जाएगा।

यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स न केवल पटना बल्कि पूरे बिहार के खिलाड़ियों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। इससे राज्य में खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और युवा प्रतिभाओं को उभरने का अवसर मिलेगा। साथ ही, यह भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने में भी सक्षम होगा।

ट्रैक एंड ट्रेस प्रणाली से तंबाकू के अवैध व्यापार पर लगेगी लगाम

मुंबई। फिलिप मोरिस इंटरनेशनल इंक. (पीएमआई) की भारतीय साझेदार कंपनी आईपीएम इंडिया ने भारत सरकार के पैक स्तर पर ट्रैक एंड ट्रेस (टी एण्ड टी) प्रणाली लागू करने के फैसले का स्वागत किया है। कंपनी के अनुसार यह कदम न केवल तंबाकू के अवैध व्यापार पर रोक लगाने की दिशा में निर्णायक साबित होगा, बल्कि देश में नियामक निगरानी प्रणाली को भी आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा बदलाव है। यह सुधार केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम की धारा 148अ के तहत स्वीकृत है और इसका उद्देश्य राजस्व की रक्षा करना, निगरानी को कड़ा बनाना तथा तंबाकू व्यापार में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना है। इस पहल की शुरूआत सिगरेट पैक्स से की जा रही है, जिसमें हर पैक पर विशिष्ट पहचान कोड अंकित किया जाएगा। इससे कर चुकाए गए उत्पादों को अवैध उत्पादों से आसानी से अलग पहचाना जा सकेगा। पीएमआई को 140 से अधिक देशों में ट्रैक एंड ट्रेस सिस्टम को स्वैच्छिक रूप से लागू करने का व्यापक अनुभव है। यूरोपीय संघ में कंपनी टोबैको प्रोडक्ट्स डायरेक्टिव के तहत काम करती है, जहाँ हर पैक डिजिटल टैग किया जाता है और पूरी आपूर्ति श्रृंखला में उसका ट्रैक रखा जाता है। यूके, रूस, जॉर्डन और गल्फ कॉपरेशन काउंसिल (जीसीसी) देशों में भी इस तकनीक को सफलता से लागू किया गया है, जहाँ पीएमआई ने स्थानीय सरकारों के साथ मिलकर पारदर्शी और प्रभावी निगरानी व्यवस्था विकसित की है। इन सभी देशों में परिणाम एक जैसे रहे हैं निगरानी बेहतर हुई है, नियमों का पालन सख्त हुआ है और अवैध तंबाकू व्यापार में स्पष्ट गिरावट देखी गई है।आईपीएम इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर नवनील कर ने ट्रैक एंड ट्रेस जैसी सख्त प्रणाली की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, यह एक बड़ा सुधार है और भारत को एक अधिक स्वच्छ, आधुनिक और पारदर्शी तंबाकू बाजार की ओर ले जाने वाला दूरदर्शी कदम है। अगर इसे सही तरीके से लागू किया गया, तो यह प्रणाली तंबाकू के अवैध व्यापार के खिलाफ हमारी लड़ाई को नया रूप दे सकती है। इससे जनता का भरोसा बढ़ेगा, सरकारी राजस्व मजबूत होगा और निगरानी की व्यवस्था और अधिक आधुनिक बन सकेगी। उन्होंने आगे कहा, अवैध तंबाकू व्यापार को खत्म करना हमारी प्राथमिकता रही है और यह हमारे ऑपरेशंस को बेहतर बनाने और एक टिकाऊ भविष्य की दिशा में हमारी व्यापक कोशिशों का हिस्सा है। पीएमआई ने वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन की सुरक्षा के लिए कई तकनीकों में लंबे समय से निवेश किया है, और हम भारत सरकार के साथ मिलकर इस पहल को सफल बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

किआ कैरेन्स क्लैविस 11.49 लाख रुपये में भारत में लॉन्च

मुंबई। किआ इंडिया, एक मशहूर मास-प्रीमियम कार कंपनी, ने आज अपनी बिग बोल्ड फैमिली कार, नई कैरेन्स क्लैविस को भारत में 11.49 लाख रुपये की शुरूआती कीमत पर लॉन्च किया। यह गाड़ी बड़े और आधुनिक परिवारों के लिए बनाई गई है, जोकि एमपीवी और एसयूवी के बीच मौजूद अंतर को कम करेगी। इसके आकर्षक बाहरी लुक, विशाल इंटीरियर और आधुनिक फीचर्स के साथ, कैरेन्स क्लैविस नए जमाने के परिवारों को आराम, सुविधा और स्टाइल देती है। कैरेन्स क्लैविस की एक्सटीरियर डिजाइन किआ की ऑपोजिट्स यूनाइटेड सोच को दिखाता है, इसमें मजबूत मौजूदगी का संयोजन आधुनिक और दूरदर्शी डिजाइन के साथ किया गया है। किआ डिजिटल टाइगर फेस, आइस क्यूब के साथ डेटाइम रनिंग लाइट्स, और स्टारमैप टेललैंप्स इसे खास बनाते हैं। फा7-43.66 सेंटीमीटर (17 इंच) के क्रिस्टल-कट डुअल-टोन अलॉय व्हील्स, सैटिन क्रोम फिनिश के साथ मजबूत फ्रंट और रियर स्किड प्लेट्स, मेटल-पेंटेड साइड डोर डिजाइन, और नया आइवरी सिल्वर ग्लॉस रंग इसकी प्रीमियम शैली को और आकर्षक बनाते हैं। कैरेन्स क्लैविस का इंटीरियर रोजमर्रा की सुविधा, आधुनिक लग्जरी और सोच-समझकर तैयार की गई डिजाइन का संगम है, जो एक साथ यात्रा करने वाले परिवारों के लिए आरामदायक और आनंददायक अनुभव सुनिश्चित करती है। किया कैरेन्स क्लैविस एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) के लेवल 2 से लैस है, इसमें 20 ऑटोनॉमस सेफ्टी फीचर्स मौजूद हैं।

कमीलियंट ने दी सबसे कठिन परीक्षा को चुनौती- अब तक की सबसे दमदार मजबूती

मुंबई/पटना। कमीलियंट, एक ऐसा ब्रांड जो अपने बोल्ड, मजबूत और स्टाइलिश लगेज के लिए जाना जाता है, 2014 में अपनी स्थापना के बाद से यात्रा बैग्स की दुनिया में क्रांति ला चुका है। कमीलियंट स्ट्रेंथ और वाइब्रन्ट एस्थेटिक डिजाइन का बेहतरीन मेल है, जो आज के यात्रियों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है झ ऐसे यात्री जो विश्वसनीयता चाहते हैं, लेकिन स्टाइल के साथ कोई समझौता नहीं करते। किसी भी यात्रा के लिए डिजाइन किया गया कमीलियंट लगेज हर चुनौती के लिए तैयार है झ फिर चाहे वह एक कठिन कैम्पैन हो या एक्शन से भरपूर जर्नी! अपने पहले टीवीसी कैंपेन की सफल शुरूआत के बाद, कमीलियंट एक और जबरदस्त सीक्वल के साथ वापस आया है! इस बार बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ और वर्सटाइल निकिता दत्ता के साथ, नया टीवीसी एक लोकप्रिय भारतीय पीरियड फिल्म की पैरोडी है, जिसमें कॉमेडी और ड्रैमैटिक अंदाज के साथ एक प्रेस्टीजियस आइकानिक वॉर को प्रस्तुत किया गया है और वहीं कमीलियंट की मजबूती की सबसे कठिन परीक्षा ली जाती है। पहले वाले जबरदस्त टीवी विज्ञापन में, जहाँ कमीलियंट के बैग ने एक धमाका सह लिया था, यह नया विज्ञापन उससे भी आगे निकल गया है। यह नया विज्ञापन एक बड़े लड़ाई के मैदान में बनाया गया है, जो हुम्रस वेय में दिखाता है कि कैमिलिएंट के बैग कितने मजबूत और टिकाऊ हैं इतने मजबूत कि वे सबसे मुश्किल हालातों में भी टिक सकते हैं, यहाँ तक कि एक बड़ी लड़ाई में भी! नाम है टाइगर, काम है टू मच तोड़-फोड़! और जलते हुए उड़ते गदा से निकिता की सेना पर हमला करते हैं।

श्रीराम फार्म सोल्युशन्स ने 2024 में नए लॉन्च न्यूट्रिशन प्रोडक्ट्स, एवं अन्य सीड प्रोडक्ट्स की सफलता पर डाली रोशनी

मुंबई/मुंगेर। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के एक प्रभाग श्रीराम फार्म सोल्युशन्स ने हाल ही में लॉन्च किए गए नए दौर के स्पेशलटी प्लांट न्यूट्रिशन एवं प्रोटेक्शन तथा सीड प्रोडक्ट्स के साथ किसानों को मिली सफलता पर रोशनी डाली। कार्यक्रम का आयोजन होटल रेनड्यू, रांची, झारखण्ड में किया गया था, जहां क्षेत्र के चैनल पार्टनर्स इन आधुनिक समाधानों के उद्घाटन के अवसर पर इकट्ठा हुए। इतना ही नहीं, 80 से अधिक डिस्ट्रब्यूटर्स को श्रीराम सुपर पैडी सीड स्कीम के लिए भव्य पुरस्कार समारोह आयोजन में शामिल होने का अवसर भी मिला। स्पेशलटी प्लांट न्युट्रिशन (एसपीएन) सेगमेन्ट की बात करें तो श्रीराम फार्म सोल्युशन्स ने हाल ही में श्रीराम प्रोटोबज प्लस का लॉन्च किया था, इस रेवोल्युशनरी प्रोडक्ट को यूएस की पेटेंटेड डिलीवरी टेक्नोलॉजी नैनो लिक्विड टेक्नोलॉजी से बनाया गया है। अपने शानदार परफोर्मेन्स के चलते श्रीराम प्रोटोबज प्लस तथा श्रीराम स्प्रेइट वैजीटेबल एवं श्रीराम रेप्रोजिन को हजारों किसानों एवं चैनल पार्टनर्स ने खूब पसंद किया है।

कांग्रेसजनों ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी को पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में नापाक पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा निहत्ते और निर्दोष पर्यटकों की की गयी निर्मम हत्या का विरोध पूरे भारतवर्ष मे देखा जा रहा है। और इस जघन्य हत्याकांड के पश्चात पूरे भारतवर्ष में इन निष्पाप पर्यटकों की हत्याओं के विरोध में हो रहे जन आक्रोश के चलते ₹ऑपरेशन सिंदूर₹ के जरिये भारतीय सेनाओ के जवानों ने पाकिस्तान के अंदर चल रहे आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करके ही दम लिया। भारतीय सेनाओ के इस शौर्य और पराक्रम को नमन करने हेतु भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निदेर्शानुसार पालघर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रफुल पाटील के नेतृत्त्व मे मंगलवार को सुबह 11:30 बजे पालघर के हुतात्मा स्मारक (पाँच बत्ती)पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद पालघर स्टेशन से होते हुए चार रस्ता पर छत्रपती शिवाजी महाराज स्मारक चौक पहुंची। जहाँ इस तिरंगा यात्रा को प्रदेश सचिव व जिला प्रभारी ठाकुर यशवंत सिंह,पालघर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रफुल पाटील, प्रदेश आदिवासी सेल के अध्यक्ष बलवंत गावित तथा पालघर तालुका कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश अधिकारी आदि ने सम्बोधित किया। अपने सम्बोधन में जिला प्रभारी ठाकुर यशवंत सिंह ने कहा कि जवान अपने देश की रक्षा के लिए अपनी जान की परवाह नहीं करते और हमेशा सीमा पर तैनात रहकर देश की रक्षा करते हैं।उन्होने कहा कि जवान सीमा पर तैनात रहते हैं और दुश्मन के हमलों का सामना करते हैं और जवान युद्ध में

भारतीय जवानों के अद्भय साहस और शौर्य के सम्मान में पालघर जिला कांग्रेस ने निकाली तिरंगा यात्रा

अपनी बहादुरी और शौर्य का परिचय देते हैं इस लिये हम सब उन्हे नमन करते हैं। पालघर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रफुल पाटील ने कहा कि भारत जवान आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपनी जान की परवाह तक नहीं करते और वे आतंकवाद तथा उनके आकाओ को सबक सिखाते हैं। पाटील ने जवानों के शौर्य और पराक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा की जवान प्राकृतिक आपदाओं में हमारे जन-धन की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि जवानों का यही अद्भय साहस और शौर्य हमें गर्व और प्रेरणा देता है। पाटील ने आगे कहा कि हमें उनके बलिदान को कभी नहीं भूलना चाहिए। पाटील ने उनकी वीरता को याद करते हुए नमन किया। इस तिरंगा यात्रा में पाकिस्तान मुदार्बाद, जय जवान ,जय किसान और जय हिन्दुस्तान के नारों से पालघर शहर गूंज उठा। अन्त में पालघर तालुका कांग्रेस अध्यक्ष राजेश अधिकारी ने तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।इसके पूर्व पालघर के कांग्रेस भवन में देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सभी कांग्रेसियों ने उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की। इस तिरंगा यात्रा में पालघर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रफुल पाटील,प्रदेश सचिव व जिला प्रभारी ठाकुर यशवन्त सिंह, प्रदेश आदिवासी सेल अध्यक्ष बलवंत गावित,प्रदेश प्रतिनिधी एड.सुधीर जैन, प्रदेश पदाधिकारी संगीता धोंडे,पालघर जिला काँग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सिकन्दर शेख, उपाध्यक्ष एकनाथ वेळखंडे,जिला महासचिव एड.मनोहर दांडेकर और रामप्रकाश निराला,मीडिया सेल के रोशन पाटील, जिला सचिव प्रकाश संखे व रामनरेश यादव, सामाजिक न्याय विभाग के जिला अध्यक्ष असद चुनावाला, अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष आसिफ मेमन, जिला खरीदी- विक्री संघ के अध्यक्ष नरोत्तम पाटील, जिला उद्योग सेल के उपाध्यक्ष मोहन पाटील,पालघर तालुका अध्यक्ष राजेश अधिकारी,डहानु तालुका अध्यक्ष संतोष मोरे,वाड़ा तालुका अध्यक्ष दिलीप पाटील, विक्रमगढ़ तालुका अध्यक्ष घनश्याम आलशी, पालघर शहर इंका अध्यक्ष मनोहर दांडेकर,संदीप मेने, मनोज पाटील,अशोक पाटील, शैला प्रसाद तथा सलीम पटेल आदि सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला परिषद पालघर ने शुरू की 11वीं की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए पालघर जिला परिषद के शिक्षा विभाग ने 11वीं कक्षा में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह प्रक्रिया पारदर्शी और सुचारु रूप से संचालित करने के उद्देश्य से 21 मई 2025 को माध्यमिक शिक्षा अधिकारी संगीता भागवत के आदेशानुसार एक आधिकारिक परिपत्रक जारी किया गया। प्रवेश प्रक्रिया को बेहतर ढंग से संचालित करने हेतु जिला एवं तहसील स्तर पर नोडल और सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। जिला स्तर पर एक नोडल और एक सहायक नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं, जबकि तहसील स्तर पर पालघर, मोखाडा, विक्रमगड़, तलासरी, वाडा, वसई और डहाणू में भी अलग-अलग नोडल और सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। ये अधिकारी स्कूलों और जूनियर कॉलेजों को उचित मार्गदर्शन देंगे ताकि विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक सफर में सहूलियत और गति प्रदान करना है। छात्र 11वीं में प्रवेश के लिए https://maha fyjcadmissions.in वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह प्रक्रिया 21 मई से 31 मई 2025 तक चलेगी।

अधिक जानकारी के लिए विद्यार्थी शिक्षा विभाग के आधिकारिक ईमेल से संपर्क कर सकते हैं।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा, यह ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया विद्यार्थियों के लिए बेहद सुविधाजनक और पारदर्शी है। नोडल अधिकारियों की नियुक्ति से प्रक्रिया और भी सुसंगठित और तेज होगी। सभी विद्यार्थी समय पर आवेदन करें और इस अवसर का लाभ उठाएं।

महापालिका द्वारा निकाले गए कचरा संकलन ठेके को ठाकरे गुट का विरोध

अगर ठेका रद्द नहीं किया गया तो करेंगे जनांदोलन - दीपेश म्हात्रे

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली महापालिका द्वारा कचरा संकलन के लिए प्रति वर्ष 85 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया गया है। इस अतिरिक्त खर्च का बोझ शहर के नागरिकों पर पड़ने वाला है, जिसके चलते ठाकरे गुट की शिवसेना के जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे ने इस टेंडर का विरोध किया है। इस मुद्दे पर उन्होंने एक पत्रकार परिषद आयोजित कर कहा कि वे इस ठेके को रद्द करवाने के लिए कानूनी, राजनीतिक और सड़क पर उतरकर संघर्ष करने के लिए तैयार हैं। दीपेश म्हात्रे ने कहा कि इस स्वच्छता परियोजना से केवल ठेकेदार को फायदा पहुंचेगा। आगामी दस सालों के लिए दिए गए इस ठेके में ठेकेदार कंपनी को करोड़ों रुपये का आर्थिक लाभ होगा। जबकि कल्याण-डोंबिवली की सामान्य जनता को इससे कोई लाभ नहीं होगा। म्हात्रे ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दलों ने कचरे के प्रोजेक्ट के जरिए जनता को गुमराह करने का काम किया है। अब देखना यह होगा कि महापालिका यह ठेका रद्द करती है या नहीं।

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर समता महोत्सव 2025 हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बांद्रा के रंग शारदा सभागृह में भारत रत्न डॉ बाबासाहेब आंबेडकर समता महोत्सव २०२५ बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, मुंबई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री अजीत दादा पवार द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल , प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे , पूर्व मंत्री नवाब मलिक और अन्य गणमान्य नेता उपस्थित थे। पुरोगामी महाराष्ट्र में शिव शाहू फुले आंबेडकर के समतावादी विचारों को आगे ले जाना चाहते हैं, तो ऐसे समतावादी कार्यक्रमों की नितांत आवश्यकता है। इस तरह के कार्यक्रमों से लोगों में संवेदनशीलता, जागरूकता और एकता की भावना निर्मित होती है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने भाषण में यह भी कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी हर साल समता महोत्सव मनाएगी। इस कार्यक्रम में नरेन्द्र जाधव और पांच अन्य लोगों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर 'भीम गीतांचा सुरेल गजर' नामक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। आदर्श शिंदे के सशक्त और भाव स्पर्श गायन ने श्रोताओं में नव चैतन्य का निर्माण किया। इस सार्थ आयोजन के पीछे मुख्य व्यक्ति सिद्धार्थ कांबले थे।, जिन्होंने अपने दूरदृष्टि से कार्यक्रम को बहुत ही उच्च गुणवत्ता और अनुशासित तरीके से आयोजित किया।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण में ब्राह्मण अग्रणी भूमिका निभाए: युगल किशोर तिवारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के तत्वावधान में, समाज की एकता, जागरूकता और गरिमा के उद्देश्यों को लेकर 22 मई 2025 को सायं बजे तिवारी सरस्वती क्लासेस, सांताक्रूज (पूर्व), मुंबई में एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह विशेष आयोजन परिषद के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश पुलिस के पूर्व पुलिस उपमहानिरीक्षक तथा वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी युगल किशोर तिवारी के सान्निध्य में, तथा महाराष्ट्र राज्य इकाई के अध्यक्ष प्रो. दयानंद तिवारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में महाराष्ट्र के कोने-कोने से पधारे ब्राह्मण समाज के प्रबुद्धजन, चिंतक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर देवेंद्र तिवारी, प्रमोद कुमार उपाध्याय, भारत शुक्ला, प्रेमनाथ त्रिपाठी, सुशील योगी, राहुल तिवारी, संजय मिश्रा, अरुण शुक्ला, विनोद शुक्ला, शैलेन्द्र कुमार तिवारी, लक्ष्मीकांत शुक्ला, जय किशोर शर्मा, विकास तिवारी, राजेन्द्र पांडे, श्रीकांत मिश्रा, बंशीधर दुबे, राजेश त्रिपाठी, सुरेश शुक्ला,

राम रवि गौतम, विनोद पाठक, मिथिलेश मिश्रा, दिलीप त्रिवेदी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

युगल किशोर तिवारी ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा, ब्राह्मण समाज का दायित्व केवल अपने समाज तक सीमित नहीं है, यह राष्ट्र की चेतना का वाहक है। आज समय की पुकार है कि हम अपनी जड़ों की ओर लौटें, संगठन की शक्ति को पहचानें, और सांस्कृतिक पुनर्जागरण में अग्रणी भूमिका निभाएँ। प्रो.दयानंद तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा, भगवान परशुराम की तपस्या और संकल्प हमें प्रेरणा देते हैं कि हम देशभर में ब्राह्मण समाज को एक सूत्र में बाँधें। यह परिषद समाज को एकजुट करने की दिशा में एक दृढ़ कदम है। श्री युगल किशोर तिवारी जी का मार्गदर्शन हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत है।

सभी वक्ताओं ने समाज में संवाद, संगठन और सांस्कृतिक गतिविधियों के सतत आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम का समापन एकता, संस्कृति और सशक्त समाज के संकल्प के साथ हुआ, जहाँ उपस्थित जनसमुदाय ने प्रतिज्ञा ली कि वे ब्राह्मण समाज की गरिमा, संस्कृति और मूल्यों की रक्षा हेतु सदैव संगठित रहेंगे और इस विचारधारा को देशभर में प्रसारित करेंगे। इस अवसर पर युगल किशोर तिवारी का गरिमामय स्वागत पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति चिह्न द्वारा किया गया।

जिले में किसानों की कृषि इनपुट संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु उड़नदस्तों का गठन

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य कृषि आयुक्तालय, पुणे के निदेर्शानुसार पालघर जिले में किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि इनपुट (बीज, खाद, कीटनाशक) उपलब्ध हो, इसके लिए कृषि विभाग द्वारा एक जिला स्तरीय और आठ तहसील स्तरीय, कुल नौ उड़नदस्तों का गठन किया गया है। इन दस्तों का उद्देश्य किसानों की कृषि इनपुट से जुड़ी शिकायतों का त्वरित समाधान करना है।जिला स्तरीय उड़नदस्ते का नेतृत्व कृषि विकास अधिकारी, जिला परिषद पालघर, सोमनाथ पिंजारी (संपर्क: 8329073934) कर रहे हैं। इस दस्ते में विश्वास बर्वे (उपविभागीय कृषि अधिकारी, संपर्क: 9403510075), ए. जे. राऊल (अभियान अधिकारी, संपर्क: 9049497339), काकासाहेब भालेकर (निरीक्षक वजन एवं माप, संपर्क: 8425037686) और लक्ष्मण लामकाने (जिला गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक, संपर्क: 99215434 99) सचिव सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। प्रत्येक तहसील में तहसील कृषि अधिकारी के नेतृत्व में तहसील स्तरीय उड़नदस्तों की स्थापना की गई है। इनमें तहसील कृषि अधिकारी (दस्ते प्रमुख), कृषि अधिकारी (तालुका कार्यालय), निरीक्षक वजन एवं माप, मंडल कृषि अधिकारी और पंचायत समिति से गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक शामिल हैं। ये दस्ते तहसील स्तर पर किसानों की शिकायतों का निपटारा करेंगे। किसान अपनी कृषि इनपुट संबंधी किसी भी प्रकार की शिकायत के लिए ऊपर दिए गए नंबरों पर सीधे दस्ते प्रमुखों से संपर्क कर सकते हैं। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने बताया कि कृषि विभाग किसानों को गुणवत्तापूर्ण इनपुट उपलब्ध कराने और किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से बचाने के लिए कटिबद्ध है। इन उड़नदस्तों के माध्यम से किसानों को प्रभावी शिकायत निवारण की सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने किसानों से इस सुविधा का लाभ लेने की अपील की। जिला स्तरीय दस्ते के प्रमुख सोमनाथ पिंजारी ने कहा कि यदि किसी किसान को घटिया गुणवत्ता की इनपुट सामग्री प्राप्त हुई हो या उनके साथ धोखाधड़ी हुई हो, तो वे तुरंत जिला या तहसील स्तर पर गठित उड़नदस्तों से संपर्क करें और अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

गार्टेक्स टेक्सप्रोसेस इंडिया का मुंबई में मजबूत उद्योग प्रदर्शन

मुंबई। भारत के कपड़ा समुदाय को एक छत के नीचे लाने के लिए, कपड़ा और परिधान निर्माण मशीनरी और प्रौद्योगिकी और कपड़ों, डिजिटल स्क्रीन प्रिंट, सहायक उपकरण और ट्रिम्स में नवाचारों पर विशेष ध्यान देने के साथ, गार्टेक्स टेक्सप्रोसेस इंडिया मुंबई 2025 संस्करण उद्योग की प्रगति प्रस्तुत करता है। भारत, चीन, इटली, जापान, कोरिया, सिंगापुर और ताइवान के 125 से अधिक प्रदर्शकों के साथ इस शो में मजबूत अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी और वैश्विक कपड़ा उद्योग में भारत की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथिः श्री संजय सावकारे, माननीय कपड़ा मंत्री, महाराष्ट्र सरकार, श्री शशांक चौधरी, आईएएस, अतिरिक्त सीईओ, इन्वेस्ट यूपी, श्री स्टीवन फैंग, अध्यक्ष, ताइवान सिलाई मशीनरी एसोसिएशन, श्री एल्गर स्ट्रॉब, प्रबंध निदेशक, वीडीएमए टेक्सटाइल केयर, फैब्रिक एंड लेदर टेक्नोलॉजीज, श्री शरद जयपुरिया, अध्यक्ष, डेनिम मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सीएमडी, गिन्नी इंटरनेशनल लिमिटेड, श्री साइमन ली, एमडी, ह्योसंग ग्रुप (इंडिया), श्री आमिर अख्तर, समूह अध्यक्ष और सीईओ - टेक्सटाइल्स, जिंदल वर्ल्डवाइड लिमिटेड, श्री अरविंद माथुर, उपाध्यक्ष, डेनिम मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सीईओ, रेमंड यूसीओ प्राइवेट लिमिटेड, श्री गौरव जुनेजा, निदेशक, मेक्स एक्जीबिशन प्राइवेट लिमिटेड, श्री राज मानेक, कार्यकारी निदेशक और बोर्ड सदस्य, मेस्से फ्रैंकफर्ट एशिया होल्डिंग्स लिमिटेड, श्री गगनदीप सिंह, महासचिव, डेनिम मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और श्री विंस्टन परेरा, कार्यकारी निदेशक, मेस्से फ्रैंकफर्ट ट्रेड फेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।एक्सपो का आयोजन एमईएक्स एक्जिबिशन प्राइवेट लिमिटेड और मेस्से फ्रैंकफर्ट ट्रेड फेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। गार्टेक्स टेक्सप्रोसेस इंडिया मुंबई का आयोजन 22 से 24 मई 2025 तक जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, मुंबई, महाराष्ट्र में किया जाएगा। मुख्य अतिथि, महाराष्ट्र सरकार के माननीय कपड़ा मंत्री, श्री संजय सावकारे ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, डेनिम एक प्रमुख फैशन ट्रेंड बन गया है, और सरकार ने मशीनरी के लिए आयात शुल्क में छूट की घोषणा की है। हालांकि, देश में स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के प्रयास में, केंद्र सरकार ने तकनीकी वस्त्र मिशन की घोषणा की है, जो कंपनियों को सब्सिडी प्राप्त करने और विनिर्माण शुरू करने का अधिकार देता है। महाराष्ट्र ने अपनी कपड़ा नीति शुरू की है, जो एक क्षेत्रीय प्रारूप में संचालित होती है। जोन 1 आपको 45% सब्सिडी प्राप्त करने में मदद कर सकता है, जोन 2 40% प्रदान करता है, जोन 3 35% प्रदान करता है, और इसी तरह।

हमने जीरो-वेस्ट फैशन की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य कपड़ा कचरे को रीसाइकिल करके और इसे कालीन जैसी उपयोगी सामग्री में परिवर्तित करके नियंत्रित करना है। इसके लिए, निजी क्षेत्र को पहले बताई गई सब्सिडी के अलावा 2 रुपये प्रति यूनिट और सहकारी समितियों के लिए 3 रुपये प्रति यूनिट की बिजली सब्सिडी का लाभ मिल सकता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

संदिग्ध हालात में सिपाही की मौत: दोस्तों पर लगा हत्या का आरोप, 2 लोग हिरासत में

उन्नाव (उत्तरशक्ति)। के माखी थाना क्षेत्र के पुरवा गांव में आज सुबह सिपाही वेद प्रकाश उर्फ सोनू का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के शरीर पर चोटों के निशान मिलने के बाद परिजनों ने दोस्तों द्वारा हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मौके से दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच-पड़ताल की है।बहराइच में तैनात सिपाही वेद प्रकाश डाक ड्यूटी पर आया था लखनऊ। वेद प्रकाश पुरवा गांव, माखी का रहने वाला था। 17 मई को लखनऊ पहुंचने के बाद वह अपने गांव आ गया।जहां गुरुवार रात अपने दो साथियों के साथ पार्टी करने गया था। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के अनुसार पार्टी के बाद दुकान की छत पर सोया था सिपाही। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सिपाही और उसके दो दोस्त दुकान की छत पर रात में रुके थे। सुबह शव मिला।जिस पर चोटों के कई निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का रहस्य। सिपाही के दो दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने पर जोर दें शिक्षक: प्रो. वंदना सिंह

नए सत्र में विश्वविद्यालय की दिशा पर हुआ मंथन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शुक्रवार को संकाय एवं विभागाध्यक्षों की बैठक विश्वविद्यालय की दिशा को नए आयाम देने के संबंध में हुई। कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में शिक्षण गुणवत्ता, छात्र सहभागिता, अनुसंधान और प्लेसमेंट जैसे अहम मुद्दों पर विंदुवार विस्तार से चर्चा की गई।कुलपति ने कहा कि ह्लहम चाहते हैं कि कक्षा का वातावरण ऐसा हो, जहां छात्र केवल उपस्थिति दर्ज न कराएं, बल्कि ज्ञान की गंगा में गोते लगाएं,ह्व । उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे केवल पाठ्यक्रम न पढ़ाएं, बल्कि पठन-पाठन को आनंदमयी यात्रा बनाएं।बैठक में यह तय किया गया कि शिक्षकों को क्लासरूम एवं प्रैक्टिकल कक्षाओं में बच्चों के साथ अधिक सक्रिय रूप से जुड़ना होगा। क्विज, चर्चा, केस स्टडी और अन्य संवादात्मक तरीकों से छात्रों की पर्सनालिटी को संवारा जाएगा।ह्लप्रतिभा को पहचानिए, मंच दीजिए और सराहना की परंपरा को संस्कृति बनाइए,ह्व यह विचार बैठक का सार बनकर उभरा। एक्स्ट्रा करिकुलर गतिविधियों को नया जीवन देने की बात हुई। खेल, संगीत, नृत्य, थिएटर जैसे क्षेत्रों में छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित अभ्यास की व्यवस्था और परिसर स्तर पर स्पधाओं की योजना बनाने पर भी चर्चा की गई। पेपर पब्लिकेशन की गुणवत्ता और प्रोजेक्ट लाने पर भी जोर दिया गया। उच्च इम्पैक्ट फैक्टर वाले शोध-पत्रों के प्रकाशकों को सम्मानित किया जाएगा ताकि शोध की गुणवत्ता और प्रेरणा दोनों बढ़े।बैठक में प्रो. मानस पांडे द्वारा प्रस्तुत 9 सूत्रीय प्रस्ताव पर सभी सदस्यों ने विचार विमर्श किया। बोर्ड ऑफ स्टडी में इंडस्ट्री एक्सपर्ट, पूर्व छात्र और सीनियर छात्रों की सलाह लेकर पाठ्यक्रम को अधिक व्यावसायिक और व्यवहारिक बनाया जाएगा। उनकी सलाह को अध्ययन परिषद के पाठ्यक्रम की डिजाइन में शामिल किया जाएगा।एनसीसी, एनएसएस और छात्र सुविधा केंद्र को और अधिक क्रियाशील बनाने पर भी सहमति बनी।कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा, ह्लहम सीमित संसाधनों में भी असीम संभावनाएं तलाशेंगे। आने वाला सत्र ऐसा होगा, जहां छात्र कहेंगे – हां, हमने सही संस्थान चुना है।उन्होंने पिछले सत्र की उपलब्धियों के लिए शिक्षकों को बधाई दी और नए सत्र के लिए प्रेरणास्पद शुभकामनाएं भी दीं। विश्वविद्यालय की प्रगति को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय ज्ञान, शोध और नवाचार की त्रिवेणी बनकर उभर रहा है। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. गिरधर मिश्रा, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. मिथलेश सिंह, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. नूपुर गोयल, उप कुलसचिव अजीत प्रताप सिंह, डॉ रसिकेश, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ धीरेंद्र चौधरी समेत सभी संकायाध्यक्ष और विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

जलालपुर पुलिस नं ट्रैक्टर-ट्राली चोरी करने वाले 01 आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी केराकत के निकट पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष जलालपुर के कुशल नेतृत्व में आज दिनांक 23.05.2025 को उ0नि0 रोहित राज यादव मय पीआरडी चन्द्रशेखर मय सेकेण्ड मोबाईल मय चालक का0 धर्मेन्द्र सिंह व कोबरा 22 के कर्मचारी गण हे0का0 रमेश गुप्ता व हो0गा0 महेन्द्र कुमार द्वारा मु0अ0सं0- 155/2025 धारा 303(2) बीएनएस से सम्बन्धित चोरी गये ट्रैक्टर आयशर 333 वाहन संख्या वढ62उए 9232 मय एक खाली ट्राली को आरोपी मोनू गुप्ता पुत्र ओमप्रकाश गुप्ता निवासी ग्राम सुहवल थाना सुहवल जनपद गाजीपुर उम्र- करीब 23 वर्ष के पास से असबरनपुर अण्डरपास से समय 01.30 बजे रात में गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए चालान न्यायालय किया गया ।

विश्वविद्यालय स्तर पर ग्रामीण जल समस्याओं के समाधान हेतु नई पहल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जल से जुड़ी समस्याओं पर शोध को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज विश्वविद्यालय में वाटर रिसर्च ग्रुप की बैठक का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विश्वविद्यालय स्तर पर गठित जल अनुसंधान समिति के सदस्यों ने भाग लिया।बैठक में भूमिगत जल मूल्यांकन (ग्राउंडवॉटर असेसमेंट), जल जनित बीमारियों और जल में मौजूद अशुद्धियों की पहचान पर विस्तृत चर्चा किया गया। प्रथम चरण में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के जल स्रोतों की वैज्ञानिक जांच करेगी। साथ ही, पानी में मौजूद अशुद्धियों का विश्लेषण कर नैनो टेक्नोलॉजी के माध्यम से शुद्धिकरण की दिशा में कार्य किया जाएगा।इस अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि ह्लहमारा शोध केवल शोध पत्रों के प्रकाशन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसका सीधा लाभ समाज को मिलना चाहिए। इसी सोच के साथ इस अनुसंधान समिति का गठन किया गया है।ह्व उन्होंने आगे कहा कि समिति द्वारा ब्लॉक स्तरीय जल अध्ययन भी किया जाएगा जिससे व्यापक स्तर पर समाधान की दिशा में कदम बढ़ाए जा सकें। बैठक में समिति सदस्य प्रो. गिरिधर मिश्र, डॉ. काजल, डॉ. धीरेंद्र चौधरी, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. एस.पी. तिवारी एवं डॉ. रामनरेश यादव रहे।

जौनपुर:बयालसी डिग्री कॉलेज में दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते पांच पकड़े गए

जलालपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)।बयालसी महाविद्यालय, जलालपुर में आयोजित बी.पी.एड. (बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन) परीक्षा के दौरान आज परीक्षा केंद्र पर पाँच परीक्षार्थी दूसरे विद्यार्थियों के स्थान पर परीक्षा देते हुए पकड़े गए।यह कृत्य केंद्राध्यक्ष एवं आंतरिक उड़नदस्ता दल की सतर्कता के चलते उजागर हुआ। जाँच में पुष्टि होने के बाद विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए संबंधित छात्रों को जलालपुर थाने को सुपुर्द कर दिया गया।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं और किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जौनपुर:दर्दनाक सड़क हादसे में दो व्यक्तियों की मृत्यु, क्षेत्र में शोक की लहर

-रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।मछलीशहर शुक्रवार सुबह चकमुबारक गांव के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में दो बाइक सवार व्यक्तियों की जान चली गई। ट्रक से हुई भीषण टक्कर में मेदपुर (भिटहां) मीरगंज निवासी सुनील सिंह (50), पुत्र ठाकुर प्रसाद सिंह, और दाउदपुर कोटियां निवासी प्रदीप सिंह (50), पुत्र लालता प्रसाद सिंह की मौके पर ही मृत्यु हो गई। दोनों किसी वैवाहिक समारोह से लौट रहे थे। हादसे के बाद उनके शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर लाया गया, जहां परिजनों और आस-पास के गांवों के लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शोकाकुल परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी है।सुनील सिंह, जो सर्वोदय विद्यापीठ इंटरमीडिएट कॉलेज मीरगंज में प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (एल.टी. ग्रेड) के पद पर कार्यरत थे, अपने पीछे पत्नी, एक बेटी और एक बेटा छोड़ गए हैं। शिक्षाविद् और सामाजिक रूप से सक्रिय रहे सुनील सिंह की असामयिक मृत्यु ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है।यह हादसा न केवल दो परिवारों को गहरे शोक में डुबो गया है, बल्कि समाज ने दो जागरूक और कर्मठ नागरिकों को खो दिया है।

टीकाकरण सेवाओं को मिलेगी मजबूती: डॉ. लक्ष्मी सिंह

पी.एच.सी. ताखा पूरब में कोल्ड चेन पॉइंट केंद्र का हुआ उद्घाटन

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत कर बीमारियों से बचाने वाली टीकाकरण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ताखा पूरब में कोल्ड चेन पॉइंट केंद्र का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मी सिंह ने फीता काटकर किया।इस दौरान उन्होंने कहा कि टीकाकरण एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिससे बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है। नियमित टीकाकरण से शिशु मृत्यु दर और बाल मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए उसका उचित रख-रखाव और तापमान नियंत्रण अत्यंत आवश्यक होता है, जिसे यह नया कोल्ड चेन केंद्र सुनिश्चित करेगा।डीएमसी यूनिसेफ की गुरदीप कौर ने बताया कि पहले सोंधी ब्लॉक से दूर-दराज क्षेत्रों जैसे अरगुपुर कलां, बीबीगंज, मदरहा, पट्टी, बड़ागांव, ताखा आदि जैसे वैक्सीन पहुचाँने में ट्रैफिक और रेलवे क्रासिंग के कारण कठिनाई होती थी, किंतु इस नए केंद्र से अब टीकाकरण सत्रों के लिए वैक्सीन समय से और आसानी से पहुँचाई जा सकेगी। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सूर्य प्रकाश यादव ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ताखा पूरब में जननी सुरक्षा योजना के तहत संस्थागत प्रसव और टीकाकरण सेवाएं सुदृढ़ रूप से संचालित की जा रही हैं।

इस अवसर पर चिकित्साधिकारी डॉ0 मसूद अहमद खान,जीका प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉक्टर स्मृति यादव, फार्मासिस्ट अशोक यादव सुल्तानी, कोल्ड चेन मैनेजर शेख अफजाद, सहायक शोध अधिकारी विप्लव यादव, प्रतिरक्षण अधिकारी राहुल कुमार यादव, सहायक प्रतिरक्षण अधिकारी मुकेश कुमार, सनी कुमार, बीसीपीएम अशोक कुमार कुशवाहा, बीपीएम सुजीत कुमार मौर्य, बीएमसी अवधेश कुमार तिवारी, अशोक कुमार यादव सहित अनेक स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

भाजपा महिला मोर्चा द्वारा घाट की सफाई एवं घाट सज्जा और गोमती आरती का कार्यक्रम की

भारतीय जनता पार्टी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से देशभर में जन सहयोग से मना रही है : रागिनी सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की स्मृति में महिला मोर्चा भाजपा जौनपुर द्वारा कार्यक्रम के संयोजक महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष मिलन श्रीवास्तव के संयोजकत्व मे नवदुर्गा घाट पर, घाट की सफाई एव घाट सजा और गोमती आरती का कार्यक्रम बहुत ही भव्य तरीके से किया गया जिसमें महिला मोर्चा की सभी पदाधिकारी ने भाग लिया मुख्य रूप से माधुरी गुप्ता अंजना श्रीवास्तव अंशु कुशवाहा मिलन श्रीवास्तव उषा मौर्य नीलम शकुंतला और सभी मातृ शक्तियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया अहिल्याबाई होलकर के स्मृति में रंगोली भी बनाई गई और माता अहिल्याबाई की आरती का भी कार्यक्रम नवदुर्गा मंदिर में किया गया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर के कार्यक्रम का संचालन महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रागिनी सिंह ने किया।इस अवसर उपस्थित महिलाओं को जिलाध्यक्ष रागिनी सिंह ने बताया कि बद्रीनाथ, केदारनाथ, काशी विश्वनाथ आदि तमाम धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार एवं मंदिरों के निर्माण में अहिल्याबाई होल्कर का महत्वपूर्ण योगदान रहा ऐसे में भारतीय जनता पार्टी उनकी 300 वीं जयंती को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से देशभर में जन सहयोग से मना रही है और जन जन तक उनके कार्यों को भी पहुंचा रहे हैं। कांग्रेस ने इतने सालों में अहिल्याबाई जैसी महान विभूतियों को याद तक नहीं किया उसका सम्मान नहीं किया, लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसको लेकर सोचा और देश भर में कार्यक्रम किया जा रहा है।

प्रेम प्रपंच के चक्कर पड़ोसियों में हुई मारपीट,महिलाओं सहित 12 गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के हरजुपुर गांव में शुक्रवार को प्रेम प्रपंच को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई।मारपीट की घटना में कई लोग घायल हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने पांच महिलाओं सहित 12 लोगों को गिरफ्तार कर लिया।ऊक्त गांव निवासी नाजनीन पत्नी असलम की नाबालिग पुत्री से पड़ोसी अनवर के नाबालिग पुत्र से प्रेम सम्बन्ध हो गया था।वे दोनो मोबाइल पर बातचीत होती रहती थी।इस बात की जानकारी जब नाजनीन को हुई तो वह अनवर के पास शिकायत करने गई।जहा पर अनवर ने गाली गलौज देना शुरू कर दिया।जिसके बाद दोनो पक्ष के लोग जमा हो गया।दोनो पक्षों में मारपीट हो गयी।घटना की सूचना पर चौकी प्रभारी मनोज कुमार राय मय फोर्स मौके पर पहुंच गए।उन्होंने एक पक्ष के नाजनीन,आस्मिन पत्नी इजहार,प्रिया उर्फ गुड़िया बानो पुत्री इजहार,संजय मौर्य पुत्र राधेश्याम मौर्य व उनकी पत्नी प्रमिला मौर्या,तथा दूसरे पक्ष के अनवर,उनकी पत्नी शकीना तथा पुत्रों शमशाद,मुन्ताज,अफसर और सरवर तथा आफरीन पत्नी मुन्ताज को गिरफ्तार कर लिया।थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज करके सभी का चालान भेज दिया गया।

जौनपुर: यात्री प्रतीक्षालय में मिला लावारिश शव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जंक्शन रेलवे स्टेशन स्थित यात्री प्रतीक्षालय में शुक्रवार को लगभग 9:00 बजे दिन में उस समय हड़कंप मच गया जब यात्रियों ने एक अज्ञात वृद्ध का शव पड़ा देखा। स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहे लोगों के बीच अचानक अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना तुरंत रेलवे पुलिस (जीआरपी) को दी गई।जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया।मृतक की उम्र लगभग 60 वर्ष बताई जा रही है। वह सफेद शर्ट और काली पैंट पहने हुए था तथा उसका रंग गोरा है। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि मृतक किसी ट्रेन से यात्रा कर रहा था और किसी अप्रिय घटना का शिकार हो गया। हालांकि, मृतक की शिनाख्त अब तक नहीं हो सकी है।जीआरपी ने नियमानुसार शव को 72 घंटे तक शिनाख्त के लिए सुरक्षित रखने के उद्देश्य से जिला अस्पताल के मुर्दा घर में भेज दिया है। इस दौरान यदि कोई व्यक्ति मृतक की पहचान करता है तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।वर्तमान समय में जौनपुर जंक्शन सर्किल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में लगातार आपराधिक घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही है। यात्री सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। यात्रियों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि रेलवे पुलिस अपराध नियंत्रण में असफल साबित हो रही है। कई बार आपराधिक मामलों में लीपापोती का भी आरोप लगता रहा है। यह घटना न केवल जीआरपी और आरपीएफ की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है, बल्कि रेलवे में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ाती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अब यात्रियों को अपनी सुरक्षा को लेकर सतर्क रहना होगा, वहीं प्रशासन को भी ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

श्रीराम कथा घर-घर का संकल्प के साथ श्रीराम कथा और सुंदरकांड का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर स्थित मडियांहू के ग्राम सभा बलीभद्रपुर में श्री राम कथा घर-घर का संकल्प लेकर सत्संग की माताएं एवं बहनों तथा भाइयों ने शुरू किया है। उक्त लोग घर-घर जाकर के श्री राम कथा और सुंदरकांड करके गांव के हित के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं। जेहि विधि सूखी होई पूरलोग। करही कृपा सिंधी सोई संजोया। का प्रभु के चरणों में प्रार्थना करके लोगों के कल्याण करने की भावना से अपने मन के फूल प्रभु जी के चरणों में अर्पित करते हैं। बता दें कि आज दोपहर 1:00 बजे से 4:00 बजे तक डा. विश्वनाथ मौर्या और उनकी धर्मपत्नी चमेला देवी मौर्या एवं सह परिवार के साथ उनके निवास स्थान पर उनके द्वारा श्री रामजी का पूजन करके श्री सुंदर कांड उत्सव संपन्न हुआ। आगामी प्रभु शिव जी की कृपा से और गांव के सहयोग से 9 नवंबर से 18 नवंबर 2025 तक श्री शिव पुराण अमृत कथा साथ ही में सवा लाख शिवलिंग पूजन का संकल्प लिया गया है। इस उत्सव को संपन्न कराने के लिए भगवान श्री राम जी के चरणों में सभी लोग प्रार्थना कर रहे हैं। सत्संग की संचालक श्रीमती माता फुल देवा देवी पटेल और बहन श्रीमती कलावती देवी एवं सभी माता और बहनों का सहयोग मिल रहा है। उसका सभी भक्तगण आभारी रहेंगे। इस संबंध में भोलाशंकर प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारे गांव में युवा प्रधान धर्मेंद्र पटेल का इस दैविक कार्य में सभी प्रकार के सहयोग के साथ-साथ समर्थन मिल रहा है जिसका सभी लोगों ने आभार व्यक्त किया है।

केंद्रीय प्रमुख की उपस्थिति में क्रांतिकारी पत्रकार परिषद ने निकाली शौर्य यात्रा

पूरा कलेक्ट्रेट परिसर राष्ट्र भक्ति के नारों से गूंज उठा पत्रकारों में दिखा अत्यंत उत्साह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम से ऑपरेशन सिन्दूर की अभूतपूर्व सफलता के उपलक्ष्य में एवम शहीद वीर जवानों को श्रद्धा सुमन अर्पित करने हेतु क्रांतिकारी पत्रकार परिषद के संस्थापक केंद्रीय प्रमुख अनिल दूबे आजाद की विशेष उपस्थिति एवं आह्वान पर शौर्य यात्रा निकाली गई जहां शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। शौर्य यात्रा कृषि भवन पॉलिटेक्निक चौराहा से प्रारंभ होकर शहीद स्तंभ,कलेक्ट्रेट परिसर,जौनपुर तक पहुंची। शौर्य यात्रा में भारत माता की जय, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जिंदाबाद हिंदुस्तान जिंदाबाद, भारतीय सेना जिंदाबाद, क्रांतिकारी पत्रकार परिषद जिंदाबाद, केंद्रीय प्रमुख क्रांतिकारी अनिल दूबे आजाद जिंदाबाद पत्रकार एकता जिंदाबाद,वीर शहीद अमर रहे। के नारे लगातार गूंजते रहे। शौर्य यात्रा कलेक्ट्रेट परिसर में पैदल ही भ्रमण करते हुए शहीद स्तंभ तक पहुंची वहां पर क्रांति स्तंभ पर माल्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई एवं 2 मिनट का मौन रखा गया। तत्पश्चात क्रांतिकारी पत्रकार परिषद के केंद्रीय प्रमुख अनिल दूबे आजाद ने आतंकवादियों के विरुद्ध उठाए गए इस ठोस कदम की सराहना करते हुए कहा आज के परिवेश में राष्ट्रवादी सोच रखने वाले मीडिया जगत के सभी साथियों संपादकगण पत्रकार बंधुओ मीडिया कर्मियों के कंधे पर संपूर्ण देश को सुरक्षित संरक्षित रहते हुए सही रास्ते पर चलने और सच्चाई को उजागर करने का विशेष भार मीडिया से जुड़े साथियों के कंधे पर है बिना इस स्तंभ/मीडिया किसी भी स्तंभ से जुड़े लोगों का काम आगे नहीं बढ़ पाता इसलिए क्रांतिकारी पत्रकार परिषद मजबूती से राष्ट्र के साथ खड़ा हो जिसकी महती आवश्यकता भी है और हमें खुशी है कि पूरे देश में जहां भी क्रांतिकारी पत्रकार परिषद गठित है वहां राष्ट्र के साथ खड़ा दिखाई पड़ता है क्रांतिकारी पत्रकार परिषद ,प्रदेश प्रभारी तरुण कुमार शुक्ल प्रदेश प्रभारी श्रीधर तिवारी प्रदेश प्रभारी नौशाद खान एवं प्रदेश प्रभारी एडवोकेट एस पी शर्मा ने संयुक्त रूप से कहा देश सर्वोपरि है आतंकवादी और आतंकवाद दोनों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा हमारी बहन बेटियों का सिंदूर उजाड़ने वालों को उन्हीं के भाषा में जवाब देकर सेना ने देश का गौरव बढ़ाया है। भारत सरकार एवं देश की सेना पर गर्व है पूर्वांचल अध्यक्ष अमित पाण्डेय ने कहा की परिषद पूरे पूर्वांचल के लगभग सभी जनपदों में इस तरह की शौर्य यात्राएं निकालकर सराहनीय कार्य लगातार कर रहा है पत्रकारिता जगत में भी चर्चा का विषय बन चुका है कि यह संगठन सबसे जागरूक और राष्ट्रवादी संगठन है जिला प्रभारी प्रकाश शर्मा एवं जिलाध्यक्ष चंद्रजीत यादव ने उपस्थित क्रांतिकारी पत्रकार साथी व जन सामान्य के प्रति आभार व्यक्त किया।

शराब पीने और जुआ खेलने के विवाद में दोस्त की पीटकर हत्या

*** दम तोड़ने तक लात-घूसों से पीटते रहे, पैर पकड़कर जान की भीख मांगता रहा युवक**
*** कार से शव लेकर भाग रहे थे आरोपित, पुलिस ने दबोचा**

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। लालपुर-पांडेपुर थाना क्षेत्र पहड़िया इलाके में गुरुवार की रात 4 दोस्तों ने युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। सभी साथ में शराब पी रहे थे। उन्होंने युवक से शराब मंगाने को कहा लेकिन उसने मना कर दिया। इसके बाद पैसे के लेनदेन को लेकर झगड़ा होने लगा। वे उसे दम तोड़ने तक लात-घूसों से पीटते रहे।

युवक उनके पैर पकड़कर जान की भीख मांगता रहा। लेकिन उन्होंने पिटाई करना बंद नहीं किया। घायल होने के बाद वह बेहोश हो गया और पिटाई के बीच उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान गाजीपुर खजुहा, सैदपुर निवासी रंजन कुशवाहा पुत्र राजेंद्र कुशवाहा (25 वर्ष), खजुहा, सैदपुर, गाजीपुर के रूप में हुई है। उसकी मौत के बाद भी हमलावर खुलेआम आरोपित शव को कार में लेकर गंगा में फेंकने के लिए जा रहे थे तभी पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस को सूचना मिली कि कुछ युवक कार में शव लेकर फरार होने की कोशिश कर रहे हैं। तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर कार को रोका और चारों आरोपितों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। शव कार की पिछली सीट से बरामद हुआ।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सभी युवक शराब के नशे में थे। पार्टी के दौरान किसी बात पर कहासुनी हो गई। जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई। इसी झगड़े में रंजन की जान चली गई।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के साथ-साथ फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आरोपितों से गहन पूछताछ जारी है। डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने शव को बरामद कर लिया। चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर विकास खंड सुजानगंज पोस्ट मधुपुर, ग्राम रोहियांव निवासी विजय चंद मिश्रा (रिंकू) के यहां गृहप्रवेश 23 दिन शुक्रवार को उनके बड़े भ्राता दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा पत्नी श्रीमती लीलावती मिश्रा के पूजा पाठ के द्वारा गृहप्रवेश किया गया। पंडित सौरभ मिश्रा, पंडित आचार्य आशीष मिश्रा (लाला), पंडित आचार्य चंद्र बदन मिश्र पुत्र परम पूज्य गोरखनाथ मिश्रा पावन महावीर धाम अंजोशी के मुखारविंद व मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। जिसमें कुल गुरु पंडित हरिशंकर पाण्डेय उपस्थित थे। गृहप्रवेश के पश्चात सुन्दर काण्ड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे। जिसमें विजय चंद मिश्रा पत्नी उर्मिला मिश्रा (बबीता), बहन उर्मिला विजय शंकर मिश्रा, बहन श्रीमती उषा दुबे, पुत्र अवनीश मिश्रा, छोटू मिश्रा, प्रिंस मिश्रा, मोहिनी मिश्रा, शुभम तिवारी, श्रीमती प्रमिला महेश दुबे , मुंगराबादशाहपुर से श्रीमती गीता कृष्ण चंद दुबे, राजू दुबे, चेतरीया से रमाजीत तिवारी भूवर, वरिष्ठ समाजसेवी राम-लखन मिश्रा, विकास विनय मिश्रा, शिवांश मिश्रा (कान्हा), शाम 8 बजे से महाप्रसाद (भंडारे) का आयोजन किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पंखे से लटका मिला जरदोजी कारीगर का शव

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजधानी लखनऊ में मलिहाबाद के चौधराना मोहल्ले में शुक्रवार सुबह जरदोजी कारीगर वसीम अहमद (25) का शव घर में पंखे से लटका मिला। वसीम की मां शायरा ने बहू, उसके भाइयों समेत पांच लोगों पर बेटे की हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। शायरा के मुताबिक मोहल्ले में ही अलग मकान में रहती हैं। बेटा वसीम बहू शबनम के साथ रहता था। बृहस्पतिवार शाम छह बजे दोनों में किसी बात पर बहस हो गई थी। इससे आक्रोशित शबनम ने अपने तीन भाइयों व एक बहन को घर बुलाया था। सभी ने मिलकर बेटे को बुरी तरह से पीटा था। इसके बाद बहू मायके हसनापुर चली गई थी। मामले की जानकारी पर शायरा ने थाने में शिकायत भी की थी। शायरा ने बताया कि शुक्रवार सुबह सात बजे पड़ोसी ने कॉल कर पंखे से चादर के सहारे वसीम के लटके होने की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर छानबीन की। शायरा का आरोप है कि अलग रहने का फायदा उठाते हुए बहू, उसके भाइयों और बहन ने वसीम की हत्या कर दी। फिर आत्महत्या दिखाने के लिए उसका शव लटका दिया। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि तहरीर मिली है।

25 हजार के इनामी कोर्ट में किया सरेंडर

आजमगढ़। हत्या और रंगदारी के मामले में फरार 25 हजार के इनामी सुजीत सिंह उर्फ भकोले ने बृहस्पतिवार को पुलिस को चकमा देकर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सत्यवीर सिंह की अदालत में सरेंडर कर दिया। चार दिन पहले ही एसएसपी हेमराज मीणा ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। 27 मार्च को कोतवाली थाने में एक पीड़िता ने तहरीर दी थी कि सुजीत सिंह, प्रदीप सिंह और अजीत सिंह ने 50 हजार रुपये रंगदारी मांगी और उसकी बेटियों को उठाने की धमकी दी। ये लोग तमंचा लेकर पीड़िता के घर पहुंचे, जबरन दरवाजा खुलवाया और रंगदारी मांगी। बच्चों के शोर पर पड़ोसी आए, तो आरोपी गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। इस आधार पर मुकदमा दर्ज हुआ और तीन अप्रैल को सुजीत के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी हुआ।

आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत

अतरौलिया। थाना क्षेत्र के भगतपुर गांव में बृहस्पतिवार की सुबह बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अतरौलिया थाना क्षेत्र के भगतपुर गांव निवासी इंद्रदेव मौर्य ने बताया कि उनका पुत्र प्रदीप (23) सुबह पांच बजे शौच के लिए सिवान में जा रहा था। तभी हल्की बूंदाबादी के बीच आकाशीय बिजली गिरी। इससे प्रदीप गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों प्रदीप को रामनगर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना अध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा, तहसीलदार शिव प्रकाश सरोज और राजस्व निरीक्षक प्रेम प्रकाश यादव मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रदीप गुजरात में निजी कंपनी में नौकरी करता था। वह कुछ दिन पहले अपनी मां शकुंतला देवी के इलाज के लिए घर आया था। तहसीलदार शिव प्रकाश सरोज ने बताया कि प्राकृतिक आपदा में मृतक के परिवार को राज्य आपदा मोचन कोष से आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। पंचनामा रिपोर्ट तैयार कर ली गई है।

चोरी की बाइक व तमंचा के साथ आरोपी गिरफ्तार

बस्ती,छावनी। अयोध्या से चोरी की गई बाइक के साथ छावनी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। तलाशी में उससे तमंचा व कारतूस बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद ने बताया कि बबुरहवा अंडरपास के करीब से थानाक्षेत्र के डुहवा मिश्र निवासी जसवंत उर्फ अनुज विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया गया। बरामद बाइक कोतवाली अयोध्या के पुराने सरयू ब्रिज के नीचे से दो दिन पूर्व चुराई गई थी। बृहस्पतिवार को केस दर्ज कर आरोपी को जेल भिजवा दिया गया है। एसओ ने बताया कि आरोपी जसवंत उर्फ अनुज विश्वकर्मा पर 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके पास से नेपाल से खरीदा गया तमंचा मिला है। उसके खिलाफ छावनी थाने में तीन, दुबौलिया थाने में पांच, वाल्टरगंज थाना और नगर थाना में एक केस दर्ज है। गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष समेत एसआई विंध्याचल, एसआई अनिरुद्ध यादव, मुख्य आरक्षी अखंड प्रताप, जितेंद्र मौर्य, आरक्षी सुनील चौहान, मुकेश यादव शामिल रहे।

वज्रपात की चपेट में आने से छह लोग बेहोश

चौरीचौरा। इलाके के भटगावां में बृहस्पतिवार सुबह बारिश के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से छह लोग बेहोश हो गए। जबकि एक महिला व एक किशोरी चपेट में आकर झुलस गईं। सीएचसी पिपराइच में प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। पुलिस और तहसील प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

जानकारी के मुताबिक, सुबह आठ बजे तेज गरज और चमक के बीच बारिश शुरू हुई तो भटगावां स्थित संत यादव के ईंट भट्ठा के पास मौजूद बांस के पेड़ पर वज्रपात गिर गया। चिंगारी बांस के पेड़ से टकरा कर बगल में बने टिनशेड पर चली गई। इस पर तेज आवाज से ईंट भट्ठे पर काम करने वाले छह लोग डरकर बेहोश हो गए। इसमें अधिकतर बच्चे बताए जा रहे हैं। कुछ देर बाद सभी को होश आया गया। लेकिन घटना में भट्ठे पर ईंट पाथने का काम करने वाली डुमरी खुर्द की पूजा (30) और प्रीति (12) झुलस गईं। अन्य मजदूरों ने इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को दिया तो मौके पर पहुंची एंबुलेंस दोनों घायलों को लेकर इलाज के लिए सीएचसी पिपराइच पहुंची। वहां इलाज के बाद उनके स्वास्थ्य में सुधार होने पर एम्बुलेंस से ईंट भट्ठे पर छोड़ दिया गया।

जनपद की सांस्कृतिक एवं साहित्य क्षेत्र की अग्रणी संस्था संस्कार भारती

अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 23 मई 2025 से 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का शुभारंभ बी आर पी इंटर कॉलेज के सभागार में हुआ । सर्व प्रथम नटराज पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया । सरस्वती वन्दना एवं संस्कार भारती ध्येय गीत की प्रस्तुति के उपरान्त ऋषि ने अतिथि परिचय कराया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.तेज सिंह ने संस्कार भारती के प्रयासों की प्रशंसा की, उन्होंने कहा संस्कार भारती को समाज अपने मूल को जीवंत करने का कार्य कला एवं साहित्य के माध्यम से करती आ रही है जो कि बहुत ही सराहनीय है । संस्कार भारती काशी प्रांत के महामंत्री सुजीत ने संस्कार भारती के उद्देश्यों से लोगों का मार्गदर्शन किया

।उन्होंने कहा कि संस्कार भारती का उद्देश्य कला के विविध आयामों के माध्यम से नई पीढ़ी को परिचित कराना व समाज को स्वस्थ मनोरंजन प्रदान करना है। इस वर्ष बिरजू महाराज कथक संस्थान लखनऊ उत्तर प्रदेश व संस्कार भारती जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में 20 दिवसीय कथक कार्यशाला साथ ही राज्य ललित कला अकादमी लखनऊ व संस्कार भारती जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में 20 दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का आयोजन बी आर पी इंटर कॉलेज में प्रारम्भ हुआ। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।संस्कार भारती जौनपुर के संरक्षक डॉ.अरुण कुमार मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि नई पीढ़ी के व्यक्तित्व विकास में कार्यशाला का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने आग्रह किया कि अभिभावक मोबाइल का उपयोग स्वयं भी कम करें और अपने बच्चों को विषय से संबंधित कार्यों हेतु प्रयोग करने को दें। कला आनंद प्रदान करती है। कथक कार्यशाला की प्रशिक्षिका वसुधा जी ने बच्चों को कथक के प्रारंभिक चरण की जानकारी दी। चित्रकला कार्यशाला के प्रशिक्षक रविकांत जी ने प्रशिक्षुओं को कला से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप राजकमल जी, मनीष अस्थाना, आशीष श्रीवास्तव , बालकृष्ण साहू, आलोक रंजन, सुप्रतीक गुप्ता, मयंक नारायण, राजेश किशोर, राजेश अग्रहरि, अजय साहू, अवधेश श्रीवास्तव, ज्योति श्रीवास्तव, सुषमा गुप्ता, आकाश सेठ, अरुण केशरी, विष्णु गौण, नरेंद्र पाठक , अतुल सिंह, रोहित राव मुख्य रूप से उपस्थित थेकार्यक्रम का सफल संचालन ऋषि श्रीवास्तव ने किया।

कर्ज से परेशान अधेड़ ने फांसी लगाकर दी जान, जांच में जुटी पुलिस

वाराणसी(उत्तरशक्ति) । जनपद के चोलापुर में कर्ज तथा सूदखोरों से परेशान फुलगेन सिंह उर्फ किन्नर उम्र करीब 55 वर्ष ने अपने घर से 50 मीटर की दूरी पर बने पुराने जर्जर मकान में पाइप के सहारे फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी परिजनों को सुबह लगभग 8 बजे हुई। उसके बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही मौके पर अउढ सारनाथ,रलड चोलापुर पुलिस बल के साथ पहुंचे। फॉरेंसिक टीम भी घटना स्थल पर पहुंच साक्ष्य संकलन करने में जुटी रही।प्राप्त जानकारी के अनुसार - चोलापुर थाना क्षेत्र के नेहिया गांव निवासी फुलगेन सिंह उर्फ किन्नर गांव के ही अजीत सिंह उर्फ रिंकू और संजीव सिंह से कुछ पैसा कर्ज के तौर पर लिया था। जिसका ब्याज समय-समय पर चुकता करता था। घर की माली हालत ठीक नहीं होने से ब्याज देने में कुछ समय आगे पीछे हो जाता था। जिसके कारण अजीत सिंह और संजीव सिंह ब्याज की राशि बढ़ाकर जोड़ लेते। और जबरदस्ती जमीन सट्टा करने का दबाव बनाने लगे। कर्जदार के बार-बार धमकी और दबाव और उधार के रुपये का ब्याज दोगुना होने से परेशान अधेड़ ने शुक्रवार की सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

गांवों में किसकी होगी सरकार! पंचायत चुनाव बता देंगे 2027 का सियासी गुफ्तगू

पंचायत नुक्कडों में महकने लगी चुनाव की खुशबू

डॉ इम्तियाज अहमद /शिव कुमार प्रजापति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। 2026 यूपी पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने भी तैयारियां शुरू कर दी है। अगले साल जनवरी-फरवरी माह में पंचायत चुनाव के होने की संभावना है। 2026 उत्तर प्रदेश में साल 2027 में विधानसभा चुनाव होने है। ऐसे में सभी राजनीतिक दल सियासी पिच पर गोटियां फिट करने में जुट गये हैं। लेकिन इससे पहले अगले साल 2026 में यूपी में पंचायत चुनाव होने है। यूपी पंचायत चुनाव 2026 सियासी दलों के लिए विधानसभा चुनाव से पहले का सेमीफाइनल होगा। पंचायत चुनाव से सभी राजनीतिक दलों को यह पता चल जाएगा कि उनकी तैयारी कहां तक सफल हुई है और कहां कमी रह गयी है। यूपी पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने भी तैयारियां शुरू कर दी है।

अगले साल जनवरी-फरवरी माह में पंचायत चुनाव के होने की संभावना है। पंचायत चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग फरवरी के पहले सप्ताह में अधिसूचना भी जारी कर सकता है। इससे पहले सियासी दलों ने गांव-गांव में अपनी जोर-आजमाईश अभी से शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि 2026 में उत्तर प्रदेश के ग्राम पंचायतों के मौजूदा ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। यूपी में करीब 57691 ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, 826 ब्लॉक प्रमुख, 3200 जिला पंचायत सदस्य और 75 जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए चुनाव होने हैं। निर्वाचन आयोग की

तैयारियों से पंचायत चुनाव की सुगबुगाहट शुरू उत्तर प्रदेश के 67 जनपदों में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने लगभग 1.27 लाख सीआर शीट ग्रेड सीआर1 से बनी मतपेटियों की आपूर्ति को ई-टेंडर जारी किया है। चार माह के भीतर इन मतपेटियों की डिलीवरी की जानी है। साल 2021 में अप्रैल-मई माह में यूपी पंचायत चुनाव संपन्न हुए थे। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान सबसे दिलचस्प ग्राम प्रधान का चुनाव होता है। जिसके लिए सभी गांवों में सियासी सरगर्मी अभी से बढ़ गई है। पंचायत चुनाव के लिए आरक्षण के बाद यह तस्वीर बिल्कुल साफ हो जाएगी कि किस गांव से कौन चुनाव मैदान में उतरेगा? इस तरह यूपी पंचायत चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग से लेकर गांव के नेताओं ने अपने-अपने स्तर से एक्सरसाइज शुरू कर दी है। जिस दल की सत्ता, गांव में उसी की सरकार उत्तर प्रदेष पंचायत चुनाव 2026 से सियासी दलों की तैयारियों का अंदाजा लग जाएगा। विधानसभा चुनाव से पहले पंचायत चुनाव सेमीफाइनल की तरह होता है। देखा गया है कि जिस भी दल की सूबे में सरकार रहती है। गांवों में भी उसकी दल का दबदबा रहता है। पिछले पंचायत चुनावों पर निगाह डालें तो उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों की कुल 3,050 जिला पंचायत सदस्य सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा और सपा से ज्यादा निर्दलीयों ने बाजी मारी थी। वहीं ग्राम प्रधान चुनाव में अधिकतर सत्ताधारी दल के समर्थक ही जीते थे। इसी तरह जिला पंचायत सदस्यों में सपा को 759, भाजपा को 768, बसपा को 319, कांग्रेस को 125, आरएलडी को 69, आम आदमी पार्टी को 64 और निर्दलीय सबसे अधिक 944 सदस्य जीते थे। भाजपा ने निर्दलीय सदस्यों को अपने पाले में खड़ा कर जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी अपने नाम कर ली थी। इसी तरह सत्ताधारी दल ने भी ब्लॉक प्रमुख सीट अपने कब्जे में की थी। भाजपा ने 75 जनपदों में से 67 में अपना जिला पंचायत अध्यक्ष बनाया था। समाजवादी पार्टी केवल पांच जनपदों में अध्यक्ष बनाने में सफल हो सकी थी। वहीं तीन जिलों में अन्य ने अपना दबदबा जमा लिया था। पंचायत चुनाव का यूपी विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल पंचायत चुनाव 2026 को यूपी विधानसभा चुनाव को सेमीफाइनल इसलिए माना जा रहा है क्योंकि इसके ठीक बाद ही ये चुनाव होना है। यूपी की दो तिहाई से ज्यादा सीटें ग्रामीण इलाकों से ही आती हैं। यहां पंचायत चुनाव के दौरान सियासी दल इसलिए अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं क्योंकि इससे उन्हें विधानसभा चुनाव में अपनी तैयारी का आंकलन हो जाएगा और 2027 का सियासी मिजाज भी समझ में आ जाएगा। खैर अभी तक क्षेत्री मतदाताओं की हनक एवं मिजाज का आकलन इतना आसान नहीं रहा परंतु सत्ता का बोलबाला जरूर नजर आता है । अब देखने वाली बात होगी की सोशल मीडिया के जमाने में प्रचार सभाएं क्या रुख तय करती हैं।

सेना के समर्थन में निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

बस्ती (उत्तरशक्ति)। विक्रमजोत कस्बे में देश और सेना के सम्मान व समर्थन में बृहस्पतिवार को लोगों ने गगनभेदी नारों के साथ भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। भाजपा नेता अशोक सिंह के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा भिरवा सम्मय माता मंदिर से कस्बे के बैंक रोड, पुलिस चौकी होते शंकरपुर मस्जिद तक गई। लगभग पांच किमी लंबी पदयात्रा में हाथ में तिरंगा लिए लोग भारत माता की जय, वंदेमातरम, इंकलाब जिंदाबाद के गगनभेदी नारे लगाए। इस दौरान भाजपा नेताओं ने ऑपरेशन सिंदूर के साहसिक अभियान को राष्ट्र सम्मान का प्रतीक बताया। कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि आत्मरक्षा और राष्ट्र सम्मान की पुनर्स्थापना का संकल्प है। यात्रा में भाजपा के जिला सह संयोजक देवेंद्र सिंह,समाजसेवी देवधर दूबे, आदर्श सिंह, संतू सिंह, एडवोकेट संतोष सिंह, ओमप्रकाश के अलावा बड़ी संख्या में व्यवसायी और स्थानीय ग्रामीण सम्मिलित रहे। जेआरसी इंटर कॉलेज से हड़ही बाजार तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। पूर्व प्रमुख हरैर्या योगेंद्र सिंह की अगुवाई में विद्यालय से निकली तिरंगा यात्रा हड़ही बाजार होते हुए पुनः विद्यालय में आकर समाप्त हो गई। पूर्व ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि मोदी ने भारत की सेना को सशक्त किया और सेना ने आतंकियों को सबक सिखा कर विश्व में तिरंगे का मान बढ़ाया है। तिरंगा यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम और जय हिंद के नारे गूंजते रहे। तिरंगा यात्रा में सर्वेश कुमार मिश्र, मनोज कुमार पाठक, पुष्पेंद्र सिंह, रवि सिंह, दुर्गेश सिंह, जयराम चौधरी, शिवेंद्र सिंह आदि शामिल रहे।

बभनान संवाद के अनुसार, तिरंगा यात्रा महागौरी सिद्ध पीठ से बाजार घूमते हुए विजयनगर चौक पहुंची। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रबल मालानी व कप्तानगंज के पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश शुक्ला ने तिरंगा यात्रा को भारतीय सेना के शौर्य को देश का सम्मान बताया। तिरंगा यात्रा रामलीला मैदान, सब्जी मंडी, सराफा मोहल्ला, किराना मंडी, रेलवे क्रॉसिंग होकर विजयनगर तिराहे पर संपन्न हुई। प्रबल मालानी ने कहा कि जिस तरह आतंकवादियों पर कार्यवाही की गई आज पूरा देश सेना के शौर्य का गुणगान कर रहा है।

ब्राह्मण समाज की एकता हेतु ऐतिहासिक संगोष्ठी का आयोजन

मुंबई। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के तत्वावधान में, समाज की एकता, जागरूकता और गरिमा के उद्देश्यों को लेकर 22 मई 2025 को सायं 4:00 बजे तिवारीस सरस्वती क्लासेस, सांताक्रूज (पूर्व), मुंबई में एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह विशेष आयोजन परिषद के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश पुलिस के पूर्व पुलिस उपमहानिरीक्षक तथा वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी श्री युगल किशोर तिवारी जी के सान्निध्य में, तथा महाराष्ट्र राज्य इकाई के अध्यक्ष प्रो. दयानंद तिवारी जी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के कोने-कोने से पधारे ब्राह्मण समाज के प्रबुद्धजन, चिंतक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर श्री देवेंद्र तिवारी, प्रमोद कुमार उपाध्याय,

भारत शुक्ला, प्रेमनाथ त्रिपाठी, सुशील योगी, विकास तिवारी सहित अनेक गणमान्य अतिथिगण उपस्थित रहे। श्री युगल किशोर तिवारी जी ने कहा, ब्राह्मण समाज का दायित्व केवल अपने समाज तक सीमित नहीं है, यह राष्ट्र की चेतना का वाहक है। आज समय की पुकार है कि हम अपनी जड़ों की ओर लौटें, संगठन की शक्ति को पहचानें, और सांस्कृतिक पुनर्जागरण में अग्रणी भूमिका निभाएँ। प्रो. दयानंद तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा, भगवान परशुराम की तपस्या और संकल्प हमें प्रेरणा देते हैं कि हम देशभर में ब्राह्मण समाज को एक सूत्र में बाँधें। यह परिषद समाज को एकजुट करने की दिशा में एक दृढ़ कदम है। श्री युगल किशोर तिवारी जी का मार्गदर्शन हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत है। सभी वक्ताओं ने समाज में संवाद, संगठन और सांस्कृतिक गतिविधियों के सतत आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन एकता, संस्कृति और सशक्त समाज के संकल्प के साथ हुआ, जहाँ उपस्थित जनसमुदाय ने प्रतिज्ञा ली कि वे ब्राह्मण समाज की गरिमा और संस्कृति की रक्षा हेतु सदैव संगठित रहेंगे और इस विचारधारा को देशभर में फैलाएंगे।

अथर्वन फाउंडेशन को मिला राज्य स्तरीय सम्मान

प्रयागराज। जनपद की प्रतिष्ठित सामाजिक पर्यावरण संस्था अथर्वन फाउंडेशन को उत्तर प्रदेश की चयनित संस्थाओं में से एक के रूप में चयनित किया गया है। इसे प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गयाजो कि प्रयागराज व समस्त फाउंडेशन के लिए अत्यंत गर्व की बात है। यह सम्मान उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड,पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी - 2025 में प्रदान किया गया,जिसका विषय प्रकृति तथा सतत विकास के साथ सामंजस्य था। यह आयोजन गुरुवार दिनांक 22 मई 2025 को मार्स ऑडिटोरियम, इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे।अति विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, श राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, पर्यावरण, वन, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन, के.पी. मलिक, राज्य मंत्री, पर्यावरण, वन, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोज कुमार सिंह आईएएस मुख्य सचिव उपस्थित थे। सम्मानित अतिथियों में सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष अनिल कुमार, प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग उपस्थित रहे। अथर्वन फाउंडेशन को यह सम्मान पर्यावरण एवं जैव विविधता के सतत विकास हेतु किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। अथर्वन फाउंडेशन की ओर से यह प्रशस्ति पत्र लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में संस्था सचिव डाक्टर कंचन मिश्रा, उपाध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह , मीडिया प्रभारी अंकित पाठक ने प्राप्त किया गया। संस्था निरंतर समाज व पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और सशक्त करने हेतु संकल्पबद्ध है।

डॉ. अभिषेक बने मसीहा,दिव्यांग महिला के गर्भाशय से निकाला गया 5.5 किलो का ट्यूमर

अनीता हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम ने किया सफल ऑपरेशन

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। दिव्यांग महिला के गर्भाशय से टयूमर का सफल आपरेशन कर नगर के चिकित्सा जगत में डा अभिषेक रावत ने किया नाम।अनीता हॉस्पिटल लेप्रोस्कोपिक सेंटर एवं ब्लड बैंक में डॉक्टरों की टीम ने एक जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देकर एक महिला की जान बचाई। सरायमोहिद्दीनपुर निवासी मिला देवी जो कि विकलांग हैं उनके गर्भाशय (बच्चेदानी) में वर्षों से बढ़ रहा ट्यूमर पिछले कुछ महीनों से गंभीर समस्या बन चुका था। ट्यूमर का वजन लगभग साढ़े पांच किलो का था। जो न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए घातक हो चला था, बल्कि महिला को असहनीय पीड़ा भी दे रहा था। यह ऑपरेशन वरिष्ठ सर्जन डा अभिषेक रावत के नेतृत्व में किया गया। जिनका सहयोग एनेस्थेटिस्ट डा आरिफ, डा रामू यादव तथा ओटी टेक्नीशियन टीम अंकुश गौतम और अमरेंद्र चौहान ने किया।डा.रावत ने बताया कि ऑपरेशन अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। क्योंकि मरीज की पहले से ही विकलांगता एवं शारीरिक कमजोरी ने स्थिति को जटिल बना दिया था। बावजूद इसके टीम वर्क और अत्याधुनिक तकनीक की मदद से ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति में तेजी सुधार हो रहा है। हॉस्पिटल की इस उपलब्धि पर परिजनों ने डॉक्टरों का आभार जताया है। क्षेत्र में यह सर्जरी चर्चा का विषय बनी हुई है। बड़े शहरों की जगह स्थानीय स्तर पर सफल बड़े आपरेशन से लोगों में हर्ष व्याप्त है। लोगों में अस्पताल के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।